गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी के इस्तीफे को लेकर लोकसभा में विपक्ष आक्रामक

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 05 दिनांक: 16-12-2021 गुरूवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह का निधन, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र के इस्तीफा की मांग को लेकर संसद में हंगामा

नई दिल्ली (ईएमएस)। लखीमपुर खीरी हिंसा में एसआइटी की रिपोर्ट के बाद विपक्ष ने गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र के इस्तीफा की मांग को लेकर संसद में हंगामा किया। रिपोर्ट में मिश्र के बेटे पर इरादतन हत्या का आरोप है, जबकि सरकार अब भी अपने मंत्री के साथ खड़ी है।

बुधवार को लखीमपुर खीरी हिंसा मामले को लेकर लोकसभा में राहुल गांधी ने इस स्थगन प्रस्ताव दिया, जिसे स्पीकर ने खारिज कर दिया। विपक्ष की सीधी मांग है कि एसआईटी रिपोर्ट के बाद केंद्रीय राज्य मंत्री अजय मिश्रा इस्तीफा दें।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उनके स्थगन प्रस्ताव के खारिज होने के बाद कहा, ठमैंने लखीमपुर खीरी हिंसा मामले पर नोटिस दिया था, लेकिन मुझे बोलने नहीं दिया गया। प्रधानमंत्री गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा को सरकार से निकालने के लिए तैयार नहीं, लेकिन हम इस मसले पर अजय मिश्रा के खिलाफ कार्रवाई को लेकर दबाव बढ़ाते रहेंगे। जिस तरह से कृषि कानून सरकार को दबाव में वापस लेना पड़ा अजय मिश्रा को भी सरकार से इस्तीफा देना होगाठ।

सरकार लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में एसआईटी की इंक्वायरी रिपोर्ट पर संसद में चर्चा के लिए तैयार नहीं है। सरकार का मानना है कि लखीमपुर खीरी हिंसा मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है और ऐसे में इस पर संसद में चर्चा नहीं होनी चाहिए। संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा कि ऐसी परिस्थिति में संसद में चर्चा करना करने से जांच प्रभावित हो सकती है।

हंगामा राज्यसभा में भी हुआ जहां चेयरमैन वेंकैया नायडू ने लखीमपुर खीरी हिंसा मामले पर तृणमूल कांग्रेस की सांसद सुष्मिता देव के स्थगन प्रस्ताव के नोटिस को खारिज कर दिया।

तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद सौगत रे ने एक समाचार चैनल से से कहा, ठलखीमपुर खीरी हिंसा मामले की जांच में जो नए तथ्य सामने आए हैं उन पर सरकार को संसद में स्पष्टीकरण देना चाहिए, यह गंभीर मामला है। मैं मांग करता हूं के गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिएठ। विपक्ष अजय मिश्रा द्वारा पत्रकारों के साथ बदसलूकी करने की घटना से भी बेहद नाराज है।

जनवरी-फरवरी में बढ़ सकते हैं ओमिक्रॉन के मामले

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोरोना वायरर्स nbsp;वेरिएंट ओमिक्रॉर्न nbsp;वेरिएंट का कहर कई देशों में मौजूद है। भारत में अभी ओमिक्रॉन के केस जनवरी-फरवरी के महीने में बढ़ सकते हैं। स्वास्थ्य विभाग से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि जिस तरह डेल्टा स्ट्रेन ने रफ्तार पकड़ी थी हो सकता है कि यह वेरिएंट भी रफ्तार पकड़े। हालांकि यह भी कहा जा रहा है कि ओमिक्रॉन के ज्यादा माइल्ड केस ही सामने आएंगे। विश्व स्वास्थ्य संगठन की तन्फ से कहा गया है कि ओमिक्रॉन तेजी से बढ़ रहा है और अभी यह दुनिया के 77 देशों में मौजूद है। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि ओमिक्रॉन से घबराने की नहीं बल्कि इसके ट्रांसमिशन को रोकने की जरुरत हैंहेंज; फाइजर/बायोएनटेक टीके की दो खुराक महज 33 प्रतिशत सुरक्षा प्रदान करती हैं, लेकिन यह अस्पताल में भर्ती होने की दर 70 प्रतिशत कम कर देती हैं। यह क्षेत्र में टीके की प्रभाव क्षमता के विश्लेषण के बारे में क्षेत्र में व्यापक स्तर पर किया गया प्रथम विश्लेषण है। यह विश्लेषण, कोविड-19 जांच में 2,11,000 से अधिक मामलों की पुष्टि होने पर आधारित है। इनमें फाइजर टीके की दो खुराक लगा चुके 41 प्रतिशत वयस्क आबादी शामिल है। इनमें से जांच के 78,000 पॉजिटिव नतीजे 15 नवंबर से सात दिसंबर के बीच के हैं जो ओमिक्रॉर्नहेंज;से संबद्ध हैं।'हेंज;अध्ययन के नतीजों में पाया गया है कि जिन लोगों को टीके की दो खुराक लग गई थी उनमें ओमिक्रॉन से 33 प्रतिशत सुरक्षा पाई गई। साथ ही, फाइजर टीके की दोनों खुराक ले चुके लोगों के इसी अवधि में अस्पताल में भर्ती होने की दर 70 प्रतिशत कम रही जबकि डेल्टा स्वरूप की लहर के दौरान देश में यह दर 93 प्रतिशत थी।हेंज;ये आंकड़े दक्षिण अफ्रीका में ओमिक्रॉन की लहर के प्रथम तीन हफ्तों से लिए गये। दक्षिण अफ्रीका पहला देश है जहां ओमीक्रोन स्वरूप के मामलों में तीव्र वृद्धि देखी गई। डिस्कवरी हेल्थ के मुख्य कार्यकारी डॉ रयान नोच ने कहा , ''नेटवर्क फॉर जीनोमिक सरवेलिएंस इन साउथ अफ्रीका ने शानदार जेनेटिक निगरानी कर यह पता लगाया कि ओमिक्रॉन स्वरूप से संक्रमण देश में नये संक्रमण में 90 प्रतिशत से अधिक है और इसने पहले से प्रबल रहे डेल्टा स्वरूप की जगह ले ली।

मुंबई में 16 दिन के लिए धारा 144 लागू, सार्वजनिक जगहों पर नहीं मना सकेंगे नए साल का जश्न

मुंबई, (ईएमएस)। कोरोना वायरस के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के खतरे को देखते हुए मुंबई में धारा 144 लागू कर दी गई है. नए साल के मौके पर होने वाले जश्न के बीच कोरोना वायरस फैलने से रोकने के लिए यह प्रतिबंध लागू किए गए हैं. आपको बता दें कि देश में अब तक 67 लोग इस ओमिक्रोन वेरिएंट से संक्रमित हुए हैं. जिसमें 32 मामले महाराष्ट्र में ही मिले हैं. उसमें भी सबसे ज्यादा 13 केस मुंबई में मिले हैं. जिसके कारण 16 दिनों के लिए धारा 144 लागू करने का फैसला लिया गया है. महाराष्ट्र में अब तक मिले ओमिक्रॉन के मामलों में 42 फीसदी की कोई ट्रैवल हिस्ट्री नहीं है जिसके कारण प्रशासन की चिंताएं और बढ़ गई हैं. गौरतलब हो कि धारा 144 जहां लागू कर दी जाती है वहां पांच या उससे ज्यादा लोगों के एक साथ इकट्ठा होने पर पाबंदी होती है. इसका पालन नहीं करने पर कानूनी कार्रवाई की जाती है.

कांग्रेस में शामिल होंगे क्रिकेटर हरभजन सिंह

नई दिल्ली (ईएमएस)। क्रिकेटर हरभजन सिंह ने आज पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू से मुलाकात की। दोनों की मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब पंजाब में चुनावी सरगर्मी तेज है। सिद्धू ने हरभजन के साथ बैठक के बाद तस्वीर ट्वीट की और इसके साथ लिखा, ''संभावनाओं से भरी दृक्ल्ऊ्ँहुष्ठ्ठ,चमकते सितारे भज्जी के साथ। उनके इसी बयान के बाद हरभजन के कांग्रेस में शामिल होने की अटकलें लगाई जाने लगी है। हालांकि राजनीति में आने को लेकर हरभजन सिंह ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह का निधन, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (ईएमएस)। तमिलनाडु के कुन्नूर के समीप हुए हेलीकॉप्टर क्रैश में जिंदा बचे ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह का बेंगलुरु स्थित कमांड अस्पताल में निधन हो गया है।इसकी जानकारी भारतीय वायुसेना ने दी। सिंह के निधन पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, पीएम नरेंद्र मोदी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह गृह मंत्री अमित शाह सहित कई नेताओं और आमजन ने शोक प्रकट किया।

राष्ट्रपति भवन के ट्विटर अकाउंट पर लिखा गया, यह जानकर दुख हुआ कि ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह ने जीवन के लिए एक बहादुर लड़ाई लड़ने के बाद अंतिम सांस ली।हेलिकॉप्टर दुर्घटना में बुरी तरह घायल होने के बावजूद उन्होंने वीरता और अदम्य साहस का परिचय दिया, उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं।

वहीं पीएम मोदी ने ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया।प्रधानमंत्री ने ट्वीट में कहा,'ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह ने गर्व, पराक्रम और अत्यंत पेशेवराना अंदाज में देश की सेवा की।उनके निधन से मुझे अत्यंत दुख पहुंचा है। देश के लिए उनकी सेवा को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता है।उनके परिवार और मित्रों के प्रति मेरी संवेदनाएं।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने लिखा, ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह के निधन के बारे में जान कर बहुत दुख हुआ।वह सच्चे योद्धा थे, जो अंतिम सांस तक लड़ते रहे।दुख की इस घड़ी में हम परिवार के साथ मजबूती से खड़े हैं। गृहमंत्री अमित शाह ने लिखा, कुन्नूर में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में घायल ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह के निधन के बारे में जानकर गहरा दुख हुआ।ईश्वर वीर की आत्मा को शांति दे और उनके परिवार को शक्ति प्रदान करे। ऊँ शांति शांति शांति

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लिखा, ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह के दोस्तों और परिवार के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना।यह देश के लिए दुखद क्षण है। इस दुख में हम सब आपके साथ हैं।भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने भी सिंह के देहावसान पर दुःख प्रकट किया।कांग्रेस के ट्विटर हैंडल पर लिखा, ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह के निधन से हमें अत्यंत दुख हुआ है।उनके परिवार और दोस्तों के प्रति हमारी हार्दिक संवेदना।भारत माता के इस वीर सपूत को शत शत नमन।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने लिखा, हेलीकॉप्टर हादसे में घायल ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह जी की उपचार के दौरान मृत्यु के समाचार से आहत हूँ।उनकी वीरता और देश के प्रति समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा। परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूँ।दुःख की इस घड़ी में पूरा देश उनके परिवार के साथ है।

मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना को पांच वर्ष बढ़ाने को मंजूरी दी

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) को वर्ष 2021 से पांच वर्ष बढ़ाकर वर्ष 2026 तक करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। इस पर कुल लागत 93,068 करोड़ रूपये आने का अनुमान है। प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इसका निर्णय हुआ। सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर और जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना को 2021-22 से 2025-26 तक जारी रखने को मंजूरी दी है,इससे करीब 22 लाख किसानों को लाभ होगा, जिसमें 2.5 लाख अनुसूचित जाति और 2 लाख अनुसूचित जनजाति वर्ग के किसान हैं। इस पर कुल लागत 93,068 करोड़ रूपये आने का अनुमान है। इसमें कहा गया है कि त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम के तहत शामिल नई परियोजनाओं सहित 60 चल रहीं परियोजनाओं को पूरा करने पर ध्यान दिया जाएगा। बयान के अनुसार, हर खेत को पानी खंड के तहत सतही जल स्त्रोतों के माध्यम से जल निकायों के पुनर्जीवन के तहत 4.5 लाख हेक्टेयर सिंचाई तथा उपयुक्त ब्लाकों में भूजल सिंचाई के तहत 1.5 लाख हेक्टेयर की सिंचाई हो सकेगी।

सवाल पूछने से भड़के केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा, पत्रकारों के साथ की अभद्रता, कहे अपशब्द

लखीमपुर खीरी (ईएमएस)। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी बुधवार को पत्रकारों द्वारा लखीमपुर हिंसा को लेकर पूछे गए सवाल पर आपा खो बैठे। लखीमपुर कांड में उनके बेटे आशीष मिश्रा को लेकर सवाल पूछा गया तो वह पत्रकारों पर ही भड़क गए और उन्हें अपशब्द तक कहे। मौके पर मौजूद एक टीवी पत्रकार के हाथों से उन्होंने माइक झपट लिया और फोन बंद करने के लिए कहा। उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में एक बेकसूर व्यक्ति को फंसाया गया है। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है।

दरअसल एक टीवी चैनल के पत्रकार ने मंत्री अजय मिश्रा टेनी से उनके बेटे पर बढ़ाई गई धाराओं को लेकर सवाल पूछा था। इस पर वह भड़क गए और माइक झपट लिया। यही नहीं गालियां देते हुए फोन बंद करने के लिए कहा। मंत्री की पत्रकारों से तीखी बहस हुई। उन्होंने पूछा कि आखिर हमसे क्या जानना चाहते हो? एसआईटी ने धाराएं बढ़ाईं तो उनसे पूछो जाकर...चार्जशीट लग गई क्या? इसके बाद वह एक पत्रकार को मारने के लिए भी दौड़ते हैं। मंत्री का यह करतूत अब सोशल मीडिया पर छायी हुई है। विदित हो कि मंगलवार को ही लखीमपुर खीरी कांड की एसआईटी रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें पूरी घटना कोई हादसा नहीं बल्कि साजिश बताया गया है। इसके साथ ही आशीश मिश्रा और अन्य लोगों पर कुछ और गंभीर धाराएं लगाई गई हैं।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री का पत्रकारों के साथ ऐसा व्यवहार करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।वायरल वीडियो में अजय मिश्रा को, 'बेफकुफी के सवाल मत किया करो, दिमाग खराब है क्या, फोन बैंड कर दे। ये मीडिया वाले चोरों ने निर्दोश आदमी को ष्ठ शर्म नहीं आती है, ये मीडियाकर्मी, चोर ष्ठ उन्हें कोई शर्म नहीं है। कहते हुए सुना जा सकता है।दरअसल, बुधवार को केंद्रीय राज्य मंत्री लखीमपुर के ओयल में मदर चाइल्ड केयर के ऑक्सीजन प्लांट का उद्घाटन करने पहुंचे थे।इस दौरान पत्रकारों ने बेटे आशीष मिश्रा पर सवाल पूछा,तब उन्होंने कहा, 'यही सार्क्ष्ेस्ज; जो मीडिया वाले हैं ना, एक निर्दोष आदमी को फंसाया है, शर्म नहीं आती है कितने गंदे लोग हैं.. हॉस्पिटल है, सब है, यह नहीं दिखाई देता है।

25 विधान परिषद सीटों पर हुए चुनाव में 11 पर जीती भाजपा-कांग्रेस, 1 सीट कम होने से नहीं मिला भाजपा को बहुमत

-75 सदस्यीय विधान परिषद में अब भाजपा के 38 सदस्य

बेंगलुरु (ईएमएस)। कर्नाटक विधान परिषद की 25 सीटों पर हुए चुनाव में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 11 सीटों पर जीत हासिल हुई है। इस जीत के साथ ही 75 सदस्यीय विधान परिषद में अब भाजपा के पास 38 सदस्य हो गए हैं। इस चुनाव में कांग्रेस ने 11 सीटों पर जीत हासिल की है। विधान परिषद के चुनाव में सबसे बड़ा झटका एचडी देवगौड़ा की पार्टी जनता दल सेक्युलर (जेडीएस) को लगा है। 25 सीटों में से जेडीएस ने सिर्फ एक सीट पर जीत दर्ज की है। कर्नाटक विधान परिषद में सामान्य बहुमत हासिल करने में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महज एक सीट से चूक गई।

निर्वाचन अधिकारियों ने कहा कि पार्टी ने राज्य के 20 स्थानीय प्राधिकरणों के निर्वाचन क्षेत्रों से 25 में से 11 सीटों पर जीत हासिल की। इसके लिए 10 दिसंबर को द्विवार्षिक चुनाव हुए थे जबकि बुधवार को मतगणना हुई। अधिकारियों ने बताया कि विपक्षी पार्टी कांग्रेस भी 11 सीट पर कब्जा करने में सफल रही, जबकि जद (एस) को दो सीट पर जीत मिली। एक निर्दलीय उम्मीदवार प्रतिष्ठित बेलगावी निर्वाचन क्षेत्र की दो सीट में से एक पर जीत हासिल करने में सफल रहा है।

इन परिणामों के साथ, 75 सदस्यीय 'उच्च सदन' में भाजपा की संख्या 32 से बढ़कर 37 हो गई, जबकि कांग्रेस की संख्या 29 से घटकर 26 हो गई, और जद (एस) की संख्या 12 से घटकर 10 हो गई। वर्ष 2015 में स्थानीय प्राधिकरण के निर्वाचन क्षेत्रों से पिछले विधान परिषद (एमएलसी) चुनावों के दौरान, भाजपा ने क्रमशः छह, कांग्रेस ने 14 और जद (एस) ने चार सीट जीती थीं, जबकि एक सीट निर्दलीय को मिली थी।

आर्यन को राहत, एनसीबी के दफ्तर में हर हफ्ते हाजिरी नहीं होना होगा

मुंबई (ईएमएस)।अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन को क्रूज ड्रग्स केस में थोड़ी राहत मिली है।हाल ही में आर्यन ने हाई कोर्ट में मुंबई क्रूज ड्रग्स केस में अर्जी पेश की थी,इसमें एनसीबी के दफ्तर में हर हफ्ते हाजिरी देने से छूट की अपील की गई थी। आर्यन की याचिका को हाईकोर्ट ने स्वीकार कर उन्हें एनसीबी में हर हफ्ते हाजिरी लगाने से छूट दे दी गई है। रिपोर्ट में बताया गया हैं कि आर्यन खान को लेकर हाईकोर्ट के आदेश की जानकारी दी है।'ड्रग्स क्रूज़ केस में बॉम्बे हाई कोर्ट ने आर्यन को हर सप्ताह एनसीबी के दफ्तर में हाजिरी लगाने से छूट दे दी है। हालांकि, जब भी जरूरत होगी तब उन्हें दिल्ली एसआईटी के सामने हाजिर होने का भी निर्देश दिया है।'

बता दें कि हाल ही में 10 दिसंबर को एनसीबी के दफ्तर में हाजिरी से छूट की याचिका लेकर आर्यन खान ने बॉम्बे हाई कोर्ट का रुख किया था। याचिका में कहा गया था कि चूंकि जांच अब दिल्ली एनसीबी के विशेष जांच कमिटी को सौंप दी गई है,इसकारण मुंबई ऑफिस में उनके पेश होने की शर्त में ढील दी जा सकती है।

आवेदन में कहा गया था कि एनसीबी दफ्तर के बाहर मीडिया कर्मियों की भीड़ लगी रहती है, जिसके कारण उन्हें हर बार पुलिसकर्मियों को साथ लेकर जाना पड़ता है। एनसीबी ने मुंबई तट पर एक क्रूज जहाज पर छापेमारी के दौरान कथित रूप से ड्रग्स जब्त होने के बाद 3 अक्टूबर को आर्यन खान को गिरफ्तार कर लिया था। बाद में 28 अक्टूबर को हाई कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी थी। हाई कोर्ट ने उनपर 14 शर्तें लगाई थीं, जिनमें से एक यह भी था कि उन्हें हर शुक्रवार एनसीबी के सामने पेश होना भी था। इनमें एजेंसी को बताए बिना मुंबई से बाहर नहीं जाने और विशेष एनडीपीएस अदालत की अनुमति के बगैर देश से बाहर नहीं जाने की शर्त भी शामिल है।

सुप्रीम कोर्ट ने कोरोना से हुई मौतों पर गुजरात सरकार के आंकड़ों के विवाद में दखल देने से इनकार किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोरोना से हुई मौतों पर मुआवजे के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार के आंकड़ों में विवाद में दखल देने से इनकार कर दिया है. सुप्रीम कोर्ट ने मीडिया खबरों पर कहा कि मौतों की रिपोर्टिंग कम हो सकती है या नहीं भी हो सकती है, हम ये नहीं कहेंगे लेकिन 10 हजार मौतें और इतनी बड़ी संख्या में जमा किए गए आवेदनों पर आम आदमी यही सोचेगा. हम इस विवाद पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते. इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार को नसीहत दी कि कोविड से हुई मौत के लिए मुआवजे के आवेदन बढ़ते हैं तो बढ़ने दें. सरकार आंकड़ों की चिंता ना करे.कल्याणकारी राज्य होने के नाते लोगों को मदद देने में ध्यान लगाएं.अगर कोविड से मौत पर मुआवजे के लिए आवेदनों की संख्या बढ़ती है तो हम संतुष्ट होकर सो सकते हैं.

गुजरात सरकार ने अदालत में कहा कि मीडिया ने ऐसा बताया जैसे मौतों की कम रिपोर्टिंग हो रही है परन्तु यह सच नहीं है. मुआवजे के लिए कोविड की मौतों की गणना के लिए सामान्य आईसीएमआर दिशानिर्देशों की तुलना में कोविड से मौत का मानदंड का दायरा बहुत व्यापक है.पांच दिनों में आंकड़े और भी बढ़ गए हैं. जस्टिस एमआर शाह ने कहा क्योंकि किसी को कोविड हुआ,उसे बाद में दूसरी बीमारी विकसित हुई तो मौत का कारण फेफड़ों की समस्या या कुछ और बताया जा रहा है.इसलिए हमने कहा कि कोविड के बाद अन्य जटिलताओं से मरने वालों पर भी विचार करने की आवश्यकता है. हम यहां केवल यह देखने के लिए हैं कि सरकारें काम कर रही हैं. कुछ वर्गों को छोड़कर जिनका अपना एजेंडा है, जो इस बात से चिंतित हैं कि रिपोर्टिंग कम हुई या नहीं. हम इससे संबंधित नहीं हैं. हम केवल यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिले. अगर हमारे आदेश से एक लाख या पांच लाख लोगों को मदद मिलती है तो ये हमारे लिए संतुष्टि की बात है.कल्याणकारी राज्य होने के नाते आवेदनों की संख्या बढ़ेगी तो किसी को चिंता नहीं होनी चाहिये संख्या बढ़ती है तो बढ़ने दें. सुनवाई के दौरान गुजरात की ओर से बताया गया कि 40,467 आवेदन प्राप्त हुए हैं जिनमें से लगभग 23848 का भुगतान किया जा चुका है. 26836 आवेदनों को मंजूरी दी गई है. सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार को कहा है कि शेष का भुगतान आज से एक सप्ताह के भीतर किया जाए. अगली सुनवाई 17 दिसंबर को होगी.

पोर्न मामले में राज कुंद्रा की याचिका पर महाराष्ट्र सरकार को नोटिस

-कुंद्रा ने अग्रिम जमानत खारिज करने के हाईकोर्ट के आदेश को दी है चुनौती

नई दिल्ली(ईएमएस)। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को बंबई उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ व्यवसायी राज कुंद्रा की अपील पर महाराष्ट्र सरकार से जवाब मांगा। कुंद्रा ने इस अपील में अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी के संबंध में उनकी अग्रिम जमानत खारिज करने के उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी है। इस साल जुलाई में, अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति कुंद्रा को मुंबई पुलिस ने एक अन्य मामले में गिरफ्तार किया था, जिसमे उन पर एक ऐप के माध्यम से अश्लील फिल्में वितरित करने का आरोप लगाया गया था। सितंबर में उन्हें जमानत मिल गई थी। न्यायमूर्ति विनीत सरन और न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस की पीठ ने बुधवार को महाराष्ट्र सरकार को नोटिस जारी किया और मुंबई पुलिस के साइबर प्रकोष्ठ द्वारा दर्ज प्राथमिकी के संबंध में चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा।

कुंद्रा पर भारतीय दंड संहिता, स्त्री अशिष्ट रूपण (प्रतिषेध) अधिनियम और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत कथित रूप से यौन वीडियो वितरित, प्रसारित करने के लिए मामला दर्ज किया गया था। गिरफ्तारी के डर से कुंद्रा ने पहले सत्र अदालत से अग्रिम जमानत मांगी थी। लेकिन अदालत ने उसे अस्वीकार कर दिया था। इसके बाद उन्होंने इस मामले में फंसाये जाने का दावा करते हुए मुंबई हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट ने भी 25 नवंबर को कुंद्रा की अग्रिम जमानत याचिका भी खारिज कर दी। प्राथमिकी में अभिनेत्री शर्लिन चोपड़ा और पूनम पांडे को सह-आरोपी के तौर पर नामजद किया गया है। उनके वकीलों ने दावा किया था कि वह कथित अवैध वीडियो के निर्माण, प्रकाशन या प्रसारण से किसी भी तरह से जुड़े नहीं थे, यहां तक कि सह-आरोपियों के रूप में नामित अभिनेत्रियों ने वीडियो शूट करने के लिए पूर्ण सहमति दी थी।

अजय मिश्रा को इस्तीफा देना होगा मोदी सरकार पर गरजे राहुल गांधी

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने लखीमपुर-खीरी हिंसा मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) की ओर से अदालत में दिए गए आवेदन की पृष्ठभूमि में बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा को इस्तीफा देना पड़ेगा तथा जेल भी जाना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि एक तरफ तो प्रधानमंत्री किसानों से माफी मांगते हैं और दूसरी तरफ वह एक ऐसे व्यक्ति को मंत्री बनाए हुए हैं जिसने 'किसानों को मारा है।' लखीमपुर-खीरी हिंसा मामले से जुड़े एसआईटी के आवेदन को लेकर बुधवार को लोकसभा में विपक्षी सदस्यों के हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दिन भर लिए स्थगित कर दी गई। राहुल गांधी ने लखीमपुर-खीरी मामले पर बुधवार को लोकसभा में कार्यस्थगन का नोटिस दिया था। नोटिस में उन्होंने सदन में नियत कामकाज स्थगित करने की मांग की थी और कहा था कि एसआईटी रिपोर्ट को लेकर सदन में चर्चा होनी चाहिए। सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद राहुल गांधी ने संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया, ''किसानों की हत्या की गई। कहा जा रहा है कि इसमें मंत्री में शामिल हैं। वह प्रधानमंत्री के मंत्रिमंडल में हैं। प्रधानमंत्री एक तरफ किसानों से माफी मांगते हैं और दूसरी तरफ जान गंवाने वाले किसानों के परिवारों को मुआवजा तक नहीं देते। उन्होंने एक ऐसे व्यक्ति को अपनी मंत्रिपरिषद में रखा है जो हत्यारा है, जिसने (किसानों को) मारा है। उन्होंने कहा कि वह इस मुद्दे को संसद में उठाना चाहते थे, लेकिन उन्हें अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के इस बयान को अतार्किक करार दिया जिसमें उन्होंने कहा है कि लखीमपुर खीरी मामले पर संसद में चर्चा नहीं हो सकती क्योंकि यह अदालत में विचाराधीन है। राहुल गांधी ने जोर देकर कहा, ''हमने किसानों के परिवार से वादा किया था कि दबाव डालकर न्याय दिलवाएंगे। हमने कृषि कानूनों को लेकर कहा कि इनको वापस लेना पड़ेगा, आपने देखा कि इनको वापस लिया गया है। इसी तरह मंत्री को भी इस्तीफा देना पड़ेगा और जेल जाना होगा। हम नहीं छोड़ेंगे। पांच साल, 10 साल या 15 साल लग जाएं, मंत्री को जेल जाना होगा।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''सरकार हमें बोलने की अनुमति नहीं दे रही है, इस कारण सदन में व्यवधान पैदा हुआ है। हमने कहा है कि रिपोर्ट आई है और उनके मंत्री इसमें शामिल हैं, ऐसे में इस पर चर्चा होनी चाहिए। लेकिन वह चर्चा नहीं होने देना चाहते हैं। गौरतलब है कि लखीमपुर खीरी हिंसा मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने अब तक की छानबीन और साक्ष्यों के आधार पर दावा किया है कि केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा 'टेनी' के पुत्र और उसके सहयोगियों द्वारा जानबूझकर, सुनियोजित साजिश के तहत घटना को अंजाम दिया गया। एसआईटी के मुख्य जांच निरीक्षक विद्याराम दिवाकर ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) की अदालत में दिये गये आवेदन में आरोपियों के विरुद्ध उपरोक्त आरोपों की धाराओं के तहत मुकदमा चलाने का अनुरोध किया है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री के पुत्र आशीष मिश्रा मोनू समेत उसके 13 साथियों पर लखीमपुर खीरी में तीन अक्टूबर को प्रदर्शन कर रहे किसानों को जीप से कुचलने का आरोप है। इस घटना में और इसके बाद भड़की हिंसा में चार किसानों समेत आठ लोगों की मौत हो गई थी।

किसानों के पूरे आंदोलन की अगुवाई पंजाब के लोगों ने की थी - केजरीवाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के जालंधर शहर में बुधवार को तिरंगा यात्रा में अपने संबोधन में कहा, 'किसानों का सलाम, इस पूरे आंदोलन की अगुवाई पंजाब के लोगों ने की थी।'

उन्होंने कहा 'अब पंजाब की खुशहाली के लिए लड़ाई जीतनी है। बाबा साहेब को नमन, वो आज तक के सबसे ज़्यादा पढ़े लिखे भारतीय थे, उनके पास 62 एमए की डिग्री थीं, लंदन और अमेरिका से डॉक्टोरेट की। वे गरीब घर के थे लेकिन उन्होंने शिक्षा को सबसे ज़्यादा तवज्जो दी। इसी को ध्यान में रखते हुए आम आदमी पार्टी सबसे ज़्यादा शिक्षा पर काम कर रही है।बाबा साहब का सपना हम पूरा करेंगे।'

पंजाब विधानसभा चुनाव के मद्देनजर जालंधर के लोगों को दो गारंटी देते हुए उन्होंने कहा, 'आम की राज्य में सरकार बनने पर देश की सबसे बड़ी स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी जालंधर में बनेगी। इसके साथ ही आम की सरकार बनेगी तो जालंधर में इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाएंगे। '

आम आदमी पार्टी के संयोजक केजरीवाल ने कहा, 'इतनी शानदार तिरंगा यात्रा में मज़ा आ गया। आज जालंधर के लोगों ने कमाल कर दिया। मैं जानता था जालंधर के लोग प्यार करते हैं, लेकिन इतना प्यार करते हैं ये नहीं पता था।हम सबको अब पंजाब की तरक्की के लिए काम करना है, खुशहाल बनाना है। '

कार्टून कोना

अनुच्छेद-370 खत्म होने के बाद दूसरे राज्यों के लोगों ने कश्मीर में खरीदे सात भूखंड

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकार ने बुधवार को संसद में बताया कि संविधान के अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद जम्मू कश्मीर में अब तक इस केंद्र शासित प्रदेश के बाहर के व्यक्तियों ने कुल सात भूखंड खरीदे हैं और ये सभी भूखंड जम्मू डिवीजन में हैं। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी।

उनसे प्रश्न पूछा गया था कि क्या राज्य के बाहर के किसी व्यक्ति ने अब तक जम्मू एवं कश्मीर में जमीन खरीदी है और यदि खरीदी है तो इसका ब्योरा क्या है। इसके जवाब में राय ने कहा जम्मू और कश्मीर सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार, जम्मू और कश्मीर से बाहर के व्यक्तियों द्वारा कुल सात भखूंड खरीदे गए हैं। सभी सात भूखंड जम्मू डिवीजन में स्थित हैं।

ज्ञात हो कि अगस्त, 2019 में केंद्र सरकार ने जम्मू एवं कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त कर दिया था और राज्य को दो केन्द्र शासित प्रदेशों जम्मू एवं कश्मीर और लद्दाख में बांट दिया था। जम्मू एवं कश्मीर में जब अन

जन हितैषी

रैली से घिरी कांग्रेस

जनता के मुद्दों पर केंद्र सरकार को घेरने की कांग्रेस की हर कोशिश उसी के गले पड़ जाती है। भाजपा और केंद्र सरकार के खिलाफ माहौल बनना तो दूर खुद कांग्रेस अपनी जग हंसाई कर बैठती है। ऐसा एक नहीं कई बार हो चुका है। इस बार कांग्रेस की महारैली कारण बना है। दरअसल, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा सहित 5 राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस महंगाई को सबसे बड़ा मुद्दा बनाने जा रही है। इसके लिए रविवार को पार्टी ने जयपुर में महारैली की। रैली में देश भर के कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता जमा हुए। लंबे समय के बाद गांधी परिवार यानी सोनिया, राहुल और प्रियंका एक मंच में नजर आए। लेकिन दिलचस्प यह है कि महंगाई के खिलाफ रैली करने के लिए कांग्रेस ने जिस राज्य का चयन किया। उस कांग्रेस शासित राज्य में पेट्रोल, डीजल और बिजली सबसे अधिक महंगी है, जिसका असर खाने पानी के समान से लेकर हर प्रकार के वस्तुओं पर पड़ता है। राजस्थान में पेट्रोल और डीजल पर उत्तर भारत के दूसरे राज्यों के मुकाबले अधिक वैट लिया जा रहा है। यहां तक कि कांग्रेस शासित राज्य पंजाब में भी राजस्थान के मुकाबले कम वैट है। राजस्थान में डीजल और पेट्रोल के भाव आसमान छू रहे हैं। ऐसे में दिल्ली के सियासी गलियारों में चर्चा है कि कांग्रेस को सबसे पहले अपने घर को ठीक करने की जरूरत है, क्योंकि राजस्थान में केवल अकेले पेट्रोल, डीजल ही महंगा नहीं है। शराब, बिजली, स्टाम्प, अन्य राज्यों की तुलना में बेहद ज्यादा है। कांग्रेस भले ही मोदी के दूसरे कार्यकाल में महंगाई को मुद्दा बनाकर घेरने की तैयारी कर ली हो, लेकिन यह बड़ी बात है कि गुजरात, उतर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब राजस्थान के पड़ोसी राज्य हैं। इनमें तीन राज्यों में भाजपा की सरकार चल रही है, जबकि पंजाब में कांग्रेस की सरकार है। राजस्थान के ट्रांसपोर्ट वाले हो या टैक्सी चालक या फिर चारों राज्यों के बॉर्डर के नजदीक लगने वाले किसान हो, ज्यादातर लोग राजस्थान से तेल नहीं लेते। राजस्थान के साथ लगते हुए राज्यों की बात करें तो वहां पेट्रोल और डीजल के भाव में काफी अंतर है। राजस्थान में पेट्रोल 107 से 115 रुपए प्रति लीटर तक बिक रहा है। जबकि गुजरात, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब में 94 से 95 रुपए प्रति लीटर ही पेट्रोल का भाव है। डीजल के रेट की भी करीब ऐसी ही स्थिति है। राजस्थान में और राज्यों की तुलना में बिजली भी महंगी है। राजस्थान में बिजली टैरिफ प्लान की बात करें तो 8.13 रुपए है। जिस पर राज्य सरकार सेस अलग से लेती है। इससे प्रति यूनिट बिजली 10 से 15 रुपए प्रति यूनिट तक पहुंच जाती है। वहीं हरियाणा की बात करे तो 5.65 रुपए है और उतर प्रदेश में 6.76 रुपए के हिसाब से बिजली मिल रही हैं। पंजाब में भी बिजली सस्ती है। इसी तरह स्टाम्प डयूटी पर भी सरकार अधिक पैसा जनता से वसूल रही है। गहलोत सरकार ने इन सभी चीजों पर सेस अलग से लगाया हुआ है। ऐसे में सवाल उठता है कि महंगाई के खिलाफ महारैली करने वाली कांग्रेस अपने राज्य राजस्थान में ऐसा कौन सा कदम उठा रही है, जिससे महंगाई को नियंत्रित करने में आसानी हो।

राजनीति ने थामी धर्म की बैसाखी....?

(हिन्दू और हिन्दुत्व)

हमारे भारतीय संविधान में चाहे धर्म और राजनीति को अलग-अलग खांचों में रखा हो, किंतु अब जबकि स्वार्थ, सत्ता और वर्चस्व ही राजनीति के लक्ष्य बना दिये गए हो, तो फिर संविधान की इस वर्जना को मानता ही कौन है? आज की राजनीति का एकमात्र लक्ष्य 'सत्ता' है और 'जनसेवा' का पूरी तरह लोप हो चुका है। इसीलिए 'मंहगाई' विरोधी रैली में चर्चा मंहगाई की नहीं, बल्कि हिन्दू तथा हिन्दुत्व की की जाती है। देश की जनता को यह समझाया जाता है कि आज हिन्दुस्तान में सत्ता हिन्दू की नहीं बल्कि हिन्दुत्व वादियों की है और देश की असली हिन्दू (काँग्रेसी) सत्याग्रही और हिन्दुत्ववादी 'सत्ताग्रहीं' है, कुल मिलाकर आज की राजनीति कभी 'टोपी' पर केन्द्रीत रहती है तो कभी धर्म पर, जबकि ये राजनेता धर्म का 'क, ख, ग' भी नही जानते। यही नहीं इनकी नजर में देश की नासमझ, अनपढ़ और अज्ञानी जनता को यह ज्ञान देना चाहते है कि गांधी जी हिन्दू थे और उनकी हत्या करने वाला नाथूराम गोड़से हिन्दूत्ववादी और आज देश में गांधीवादियों की नहीं गोड़सेवादियों की सरकार है।

वास्तव में इसमें ऐसा कहने और देश को ऐसा समझाने वालों की कोई गलती नहीं है, ये बैचारे तो आजाद भारत की पैदाईश है, इन्हें क्या पता कि भारत को आजादी के लिए किन संघर्षों के दौर से गुजरना पड़ा और संघर्ष झेलने वाले कौन थे? इनका दोष सिर्फ इतना है कि इन्होंने यह सब जानने-समझने की भी कौशिश नहीं की। जब आज देश का भविष्य ऐसे लोगों के हाथों में है तो सहज ही कल्पना की जा सकती है कि देश का भविष्य क्या व कैसा होगा?

आज प्रजातंत्र व लोकतंत्र केवल दिखावे की वस्तु रह गई है, पिछले दिनों अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर लोकतंत्र को लेकर लम्बी बहस हुई और मौजूदा लोकतंत्र को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो ब्राईडेन से लेकर भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी तक ने चिंता व्यक्त की, किंतु क्या किसी ने भी यह जानने की कौशिश की कि 'लोक' या 'प्रजा' और 'तंत्र' में आज सर्वोपरी कौन है और आज का कथित लोकतंत्र किसके भरोसे चल रहा है? अब तो 'लोकतंत्र' व 'प्रजातंत्र' केवल राजनीति में प्रदर्शन की वस्तु बनकर रह गए है और इसीलिए आज की राजनीति का 'लोक' या 'प्रजा' से कोई सम्बंध नहीं रह गया है। आज तो येन-केन- प्रकारेण आकर्षक नारों और वादों के माध्यम से सत्ता को हथियाने या उसे बरकरार रखने की ही भरसक कौशिश की जाती है और इस स्पर्द्धा में जो विजयी रहता है, वह 'जनसेवा' या 'लोकसेवा' से दूर और सत्ता के निकट पहुंच जाता है और इन्हें इस स्थान पर पहुंचाने वाला फिर पांच साल के लिए उपेक्षित होकर अपने भाग्य के भरोसे हो जाता है।

आज की राजनीति की यही त्रासदी है और यह त्रासदी किसी राजनीतिक दल विशेष तक सीमित नहीं रहकर पूरी राजनीति या उससे जुड़े दलों तक विस्तारित है.... और जहां तक संविधान, कानून या नैतिकता का सवाल है, आज की राजनीति का इनसे दूर का भी कोई सम्बंध नहीं रहा, आज 'लोक' या 'प्रजा' अपने दुर्भाग्य पर आँसू बहाने को मजबूर है तो 'तंत्र' राजनीति की कठपुतली बनने को विवश है, आज धर्म, राजनीति, मर्यादा, नैतिकता या संविधान की बात करने वाला 'महान अपराधी' माना जाता है।

ऐसा कतई नहीं है कि मेरे द्वारा की गई व्याख्या को कोई समझने वाला नहीं है, देश में अभी भी जागरूकता, नैतिकता व ईमानदारी पूर्ण राष्ट्रभक्ति है, किंतु दुर्भाग्य यह है कि यह देश के अल्प संख्यक (जाति धर्म के नहीं) 'जनवर्ग' के पास है और राजनीति के नगाड़ों के शोर में इनकी आवाज दबकर रह गई है, इसीलिए अब 'लोकतंत्र' व 'प्रजातंत्र' को समझने व मौजूदा परिवेश में समझाने की कौशिशें की जा रही है। (लेखक- ओमप्रकाश मेहता /ईएमएस)

दैनिक पंचांग

16 दिसम्बर 2021 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

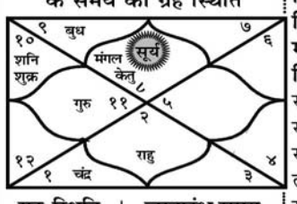

गुरुवार 2021 वर्ष का 350 वां दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2078 **शक संवत्** 1943 **मास** मृगशीर्ष **पक्ष** शुक्ल **तिथि** त्रयोदशी 04.41 बजे प्रात: को समाप्त। **नक्षत्र** भरणी 07.35 बजे को समाप्त। **योग** शिव 07.17 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 15.21 बजे तदनन्तर तैतिल 04.41 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 11.7 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 23° 19' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1871099 **जूलियन दिन** 2459564.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2547 **हिजरी सन्** 1443 **महीना** जमादि उलावल **तारीख** 11 **विशेष** प्रदोष व्रत, अनंग त्रयोदशी, हनुमान जयंती(कन्नड़), दादा धूनीवाले निर्वाण दिवस।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	धनु	06.37 बजे से
चंद्र	मेष में	मकर	08.43 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	कुंभ	10.29 बजे से
बुध	धनु में	मीन	12.02 बजे से
गुरु	कुंभ में	मेष	13.33 बजे से
शुक्र	मकर में	वृष	15.13 बजे से
शनि	मकर में	मिथुन	17.11 बजे से
राहु	वृष में	कर्क	19.24 बजे से
केतु	वृश्चिक में	सिंह	21.40 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		कन्या	23.52 बजे से
		तुला	02.03 बजे से
		वृश्चिक	04.18 ब.से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

जब भारतीय सेना ने पाकिस्तान को किया मजबूर

(शौर्य दिवस पर विदेश)

भारतीय सैनिकों की वीरता की गाथाओं से हम परिचित हैं। आज जब भारत की सीमाओं पर शत्रु देश अवसर की ताक में है, तब हमारी सेनाएं अत्यंत चौकन्ना हैं और उसी वजह से हम सुरक्षित हैं और हमारा देश भी सुरक्षित है। आज हम स्मरण कर रहे हैं भारत के सैन्य शक्ति के उस शौर्य की, जिसमें 16 दिसंबर 1971 को भारत ने पाकिस्तान के 93 हजार सैनिकों को घुटने टेके पर मजबूर कर दिया।

आज हमारा देश ढाका विजय दिवस की 50वीं सालगिरह को एक यादगार के रूप में मना रहा है। यह दिवस आज इसलिए भी प्रासंगिक है, क्योंकि इस वर्ष भारत देश स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव मना रहा है। दुनियां में एकमात्र इस सीधी लड़ाई 1971 में बांग्लादेश की आजादी को लेकर भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच हुई। इस सीधी लड़ाई में भारतीय सेना के नायक जगजीत सिंह अरोड़ा के सामने पाकिस्तान सेना के प्रमुख जनरल नियाजी ने अपने 93 हजार सैनिकों के साथ आत्म समर्पण किया था।

1969 में सेना प्रमुख सैम हॉरमुसजी फ्रेमजी जमशेदजी मानेकशॉ ने जेएफआर जैकब को पूर्वी कमान प्रमुख बना दिया था। जैकब ने 1971 की लड़ाई में अहम भूमिका निभाते हुए दुश्मनों को रणनीतिक मात दी थी। जैकब के मुताबिक 1971 में पूर्वी पाकिस्तान वर्तमान में बांग्लादेश में युद्ध के बादल मंडरा रहे थे। बेहतर जिन्दगी की तलाश में बांग्लादेश के शरणार्थी लाखों की संख्या में सीमा पार करके देश के पूर्वी हिस्सों में प्रवेश कर रहे थे। पूर्वी पाकिस्तान में लोग इस्लामी कानूनों के लागू होने और उर्दू को बतौर राष्ट्रीय भाषा बनाए जाने का विरोध कर रहे थे। इसलिए हालात ज्यादा खतरनाक हो गए थे। पाकिस्तानी फौज को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर करने वाले जनरल रिटायर्ड जैकब फर्ज रफेल जेएफआर जैकब के मुताबिक भारत के तीखे हमलों से परेशान होकर पाकिस्तान सेना ने संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में युद्ध विराम की पेशकश की जिसे भारतीय सेना ने अपनी चतुराई और पराक्रम से पाकिस्तान के पूर्वी कमान के 93000 सैनिकों के सरेंडर में बदल दिया।

नियाजी के पास ढाका में ही करीब 30 हजार सैनिक थे जबकि भारतीय सैनिकों की संख्या लगभग तीन हजार रही। जैकब के मुताबिक उसके पास कई हफ्तों तक लड़ाई लड़ने की क्षमता थी। अगर नियाजी ने समर्पण करने की बजाय युद्ध लड़ता तो पोलिश रिजॉल्यूशन जिस पर संयुक्त राष्ट्र में बहस हो रही थी वह लागू हो जाता और बांग्लादेश की आजादी का सपना अधूरा रह जाता। लेकिन वह समर्पण के लिए तैयार हो गया।

पूर्वी पाकिस्तान से बांग्लादेश बनाने में सबसे अहम भूमिका मुक्ति वाहिनी की रही। मुक्ति वाहिनी ने बांग्लादेश की आजादी के आंदोलन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। भारत में पूर्वी पाकिस्तान से लगातार आ रहे शरणार्थियों की समस्या से निपटने के लिए भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने मुक्ति वाहिनी को मजबूत करने का निर्णय लिया। इस फैसले के तहत मुक्ति वाहिनी को हथियार दिए गए।

इसके साथ ही युद्ध खत्म हो गया और बांग्लादेश का उदय हुआ। हार से तिलमिलाए नियाजी ने कहा जैकब ने मुझे ब्लैकमेल किया, हार से तिलमिलाए पाकिस्तान ने कुछ हफ्तों बाद चीफ जस्टिस हमीदुर रहमान को युद्ध जांच आयोग का प्रमुख बनाकर हार की वजह का पता लगाने का काम सौंपा गया। कमीशन ने जनरल नियाजी को तलब कर पूछा कि जब ढाका में उनके पास 26400 जवान थे, तब उन्होंने ऐसे शर्मनाक तरीके से क्यों समर्पण किया जबकि वहां पर सिर्फ कुछ हजार ही भारतीय फौज थी। जनरल नियाजी ने जवाब दिया, मुझे ऐसा करने पर मजबूर होना पड़ा।

जेएफआर जैकब के मुताबिक 1971 की लड़ाई में पश्चिमी मोर्चे पर रक्षात्मक, आक्रामक और पूर्वी मोर्चे पर पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध की बेहद आक्रामक रणनीति बनी थी। बारिश रुकने तक बांग्लादेश पर हमला न करने की बात जनरल जैकब ने कही थी। इस बीच जनरल ने युद्ध की सारी तैयारियां पूरी कर लीं। और जब युद्ध शुरू हुआ तो जनरल जैकब ने खुलना और चटगांव पर हमला बोलने के आदेश को नजर अंदाज करते हुए ढाका पर फोकस करना उचित समझा। जैकब जब ढाका के पास पहुंचे तो उनके पास 3 हजार जवानों की फौज थी जबकि नियाजी के पास करीब 30 हजार फौजी थे। लेकिन नियाजी जानता था कि बंगाली लोग उसके खिलाफ हैं। नियाजी ने संयुक्त राष्ट्र के नियमों के तहत युद्ध विराम समझौता करने की पेशकश कर दी। 16 दिसंबर को जैकब बिल्कुल निहत्थे हाथों में सिर्फ सरेंडर के कागज लेकर नियाजी के मुख्यालय पहुंच गए। समर्पण के कागज जैकब ने खुद ड्राफ्ट किए थे, लेकिन इस पर आलाकमान से मंजूरी नहीं मिली थी। इस बीच राजधानी में मुक्ति वाहिनी और पाकिस्तानी सेना के बीच युद्ध जारी था।

भारत की ओर से पूर्वी कमान का नेतृत्व कर रहे जेएफआर जैकब ने नियाजी से कहा मैं आपको भरोसा दिलाता हूँ कि आप अगर जनता के बीच आत्मसमर्पण करना चाहते हैं तो हम आपकी और आपके फौजियों की सुरक्षा की गारंटी लेते हैं। मैं तुम्हें 30 मिनट देता हूं। अगर तुम कोई फैसला नहीं कर पाए तो मैं हमले का आदेश दे दूंगा। बाद में नियाजी के दफ्तर से जैकब लौट आए। उस समय की घटना के संबंध में जैकब बताते है कि वे नियाजी के पास दोबारा पहुंचे और उन्होंने मेज पर समर्पण के कागजात रखे हुए थे। मैंने पूछा जनरल क्या आप इसे मंजूर करते हैं मैंने नियाजी से तीन बार पूछा। लेकिन उन्होंने जवाब नहीं दिया। इसके बाद पाकिस्तान सेना ने समर्पण कर दिया। 1971की लड़ाई में पाकिस्तानी सेना भारतीय फौजों के सामने सिर्फ 13 दिन ही टिक सकी। इतिहास की सबसे कम दिनों तक चलने वाली लड़ाइयों में से एक इस लड़ाई के बाद पाकिस्तान के करीब 93 हजार सैनिकों ने आत्मसमर्पण कर दिया था। आधुनिक सैन्य काल में इस पैमाने पर किसी फौज के आत्मसमर्पण का यह पहला मामला था।

(लेखक भाजपा मध्यप्रदेश के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी हैं। (लेखक- जवाहर प्रजापति/ईएमएस)

भारतीय विदेश नीति की अच्छी पहल

पड़ौसी देशों के बारे में इधर भारत ने काफी अच्छी पहल शुरु की हैं। अगस्त माह में अफगानिस्तान के बारे में हमारी नीति यह थी कि 'लेटो रहो और देखते रहो' लेकिन मुझे खुशी है कि अब भारत न केवल 50 हजार टन गेहूं काबुल भेज रहा है बल्कि डेढ़ टन दवाइयां भी भिजवा रहा है। यह सारा सामान 500 से ज्यादा ट्रकों में लदकर काबुल पहुंचेगा। सबसे ज्यादा अच्छा यह हुआ कि इन सारे ट्रकों को पाकिस्तान होकर जाने का रास्ता मिल गया है। इमरान सरकार ने यह बड़ी समझदारी का फैसला किया है। पुलवामा हमले के बाद जो रास्ता बंद किया गया था, वह अब कम से कम अफगान भाई-बहनों की मदद के लिए खोल दिया गया है। क्या मालूम यही शुरुआत बन जाए दोनों मुल्कों में रिश्ते ठीक-ठाक करने की! हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार आजित दोभाल ने अफगानिस्तान-संकट पर पड़ौसी देशों के सुरक्षा सलाहकारों से जो संवाद दिल्ली में कायम किया था, वह भी सराहनीय पहल थी। उसका चीन और उसके इस्पाती दोस्त पाकिस्तान ने बहिष्कार जरुर किया लेकिन उसमें आमंत्रित मध्य एशिया के पांचों मुस्लिम गणतंत्रों के सुरक्षा सलाहकार के आगमन ने हमारी विदेश नीति का एक नया आयाम खोल दिया है।अब विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने आगे बढ़कर इन पॉचों देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक भी अगले हफ़्ते बुलाई हैध् मैं पिछले कई वर्षों से कहता रहा हूं कि मध्य एशिया के ये पांचों पूर्व-सोवियत गणतंत्र सदियों तक आर्यावर्त्त के अभिन्न अंग रहे हैं। इनके साथ घनिष्टता बढ़ाना इन विकासमान राष्ट्रों के लिए लाभदायक है ही, भारत के लिए इनकी असीम संपदा का दोहन भारतीयों के लिए करोड़ों नए रोजगार पैदा करेगा और दक्षिण व मध्य एशिया के देशों में मैत्री की नई चेतना का भी संचार करेगा। इन सारे देशों में पिछले 50 वर्षों में मुझे कई बार रहने का और इनके शीर्ष नेताओं से संवाद करने का अवसर मिला है। यद्यपि इन देशों में कई दशक तक सोवियत-शासन रहा है लेकिन इनमें भारत के प्रति अदम्य आकर्षण है। ताजिकिस्तान ने भारत को महत्वपूर्ण सैन्य-सुविधा भी दे रखी थी। कजाकिस्तान और उजबेकिस्तान के राष्ट्रपति भारत-यात्रा भी कर चुके हैं। अब कोशिश यह है कि इन पांचों गणतंत्रों के राष्ट्रपतियों को 26 जनवरी के अवसर पर भारत आमंत्रित किया जाए। इस तरह का निमंत्रण देने का प्रस्ताव मैंने नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में एक सभा में उनके प्रधानमंत्री बनने के पहले भी दिया था। अब क्योंकि पिछले पांच-छह साल से दक्षेस (सार्क) ठप्प हो गया है, मैंने जन-दक्षेस (पीपल्स सार्क) नामक संस्था का हाल ही में गठन किया है, जिसमें म्यांमार, ईरान और मोरिशस के साथ-साथ मध्य एशिया के पांचों गणतंत्रों को भी शामिल किया गया है। यदि 16 देशों का यह संगठन यूरोपीय संघ की तरह कोई साझा बाजार, साझी संसद, साझा महासंघ बनवा सके तो अगले दस साल में भारत समेत ये सारे राष्ट्र यूरोप से भी आगे निकल सकते हैं। इन राष्ट्रों में गैस, तेल, यूरेनियम, सोने, चांदी, लोहे और तांबे आदि धातुओं के असीम भंडार अनछुए पड़े हुए हैं। इन्हें अपने आप को संपन्न बनाने के लिए यूरोपीय राष्ट्रों की तरह अन्य राष्ट्रों का खून चूसने की जरुरत नहीं है। इन्हें सिर्फ भारत का सहयोग और मार्गदर्शन चाहिए। (लेखक/ईएमएस-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

आज का इतिहास 16 दिसंबर

1835 न्यूयार्क शहर में आग लगने से छह सौ से अधिक इमारतें नष्ट हो गई.
1838 कैप कालोनी में बोएर्स और जुलू प्रमुख डिंगान के साथियों के बीच संघर्ष में तीन हजार लोग मारे गए.
1859 जर्मन कथाकार चिल्हेरा ग्रम का निधन.
1920 चीन में भूकंपन से दो लाख लोग मारे गए.
1929 कलकत्ता विद्युत आपूर्ति निगम ने हुगली नदी के नीचे सुरंग खोदने का काम शुरु किया.
1945 जापान के पूर्व प्रधानमंत्री पुमिमारो कन्ते ने आत्महत्या कर ली.
1949 इंडोनेशिया में सुकर्ण प्रथम राष्ट्रपति चुने गए.
1952 अलग आंध्रप्रदेश के लिए श्रीरामलु पोट्टो ने भूख हड़ताल से जान दे दी.
1971 भारत-पाक युद्ध विराम लागू हुआ तथा बांगलादेश का उदय हुआ.
1960 न्यूयार्क में दो विमानों की हुई टक्कर में 136 व्यक्ति मारे गए.
1965 अंग्रेजी भाषा के लेखक समरसेट माम का निधन.
1987 पालेमो इटली में 320 व्यक्तियों को अदालत ने विभिन्न अपराधों में कुल 27 साल की सजा सुनाई.
1997 नेल्सन मंडेला ने अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस के नेता पद से त्यागपत्र दिया.
1999 अमरीका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति जार्ज बुश ने अवकाश प्राप्त जनरल कालिन पावेल को विदेशमंत्री नियुक्त किया.

अमीरी और गरीबी की खाई

अब से लगभग 60 साल पहले जब मैं प्रसिद्ध फ्रांसीसी विचारक पियरे जोजफ प्रोधों को पढ़ रहा था तो उनके एक वाक्य ने मुझे चौंका दिया था। वह वाक्य था- 'सारी संपत्ति चोरी का माल होती है।' दूसरे शब्दों में सभी धनवान चोर-डकैत हैं। यह कैसे हो सकता है, ऐसा मैं सोचता था लेकिन अब जबकि दुनिया में मैं गरीबी और अमीर की खाई देखता हूं तो मुझे लगता है कि उस फ्रांसीसी अराजकतावादी विचारक की बात में कुछ न कुछ सच्चाई जरुर है। कार्ल मार्क्स के 'दास केपिटल' और विशेष तौर से 'कम्युनिस्ट मेनिफेस्टो' को पढ़ते हुए मैंने आखिर में यह वाक्य भी देखा कि ''मजदूरों के पास खोने के लिए कुछ नहीं है, सिर्फ उनकी जंजीरों के अलावा।'' अब इन दोनों वाक्यों का पूरा अर्थ समझ में तब आने लगता है, जब हम दुनिया के अमीर और गरीब देशों और लोगों के बारे में गंभीरता से सोचने लगते हैं। अमीर, अमीर क्यों हैं और गरीब, गरीब क्यों है, इस प्रश्न का जवाब हम ढूंढने चलें तो मालूम पड़ेगा कि अमीर, अमीर इसलिए नहीं है कि वह बहुत तीव्र बुद्धि का है या वह अत्यधिक परिश्रमी है या उस पर भाग्य का छींका टूट पड़ा है। उसकी अमीरी का रहस्य उस चालाकी में छिपा होता है, जिसके दम पर मुट्ठीभर लोग उत्पादन के साधनों पर कब्जा कर लेते हैं और मेहनतकश लोगों को इतनी मजदूरी दे देते हैं ताकि वे किसी तरह जिंदा रह सकें। यों तो हर व्यक्ति इस संसार में खाली हाथ आता है लेकिन क्या वजह है कि एक व्यक्ति का हाथ हीरे-मोतियों से भरा रहता है और दूसरे के हाथ ईंट-पत्थर ही धोते रहते हैं ? हमारी समाज-व्यवस्था और कानून वगैरह इस तरह बने रहते हैं कि वे इस गैर-बराबरी को कोई अनैतिक या अनुचित भी नहीं मानता। इस समय दुनिया में जितनी भी कुल संपत्ति है, उसका सिर्फ 2 प्रतिशत हिस्सा 50 प्रतिशत लोगों के पास है जबकि 10 प्रतिशत अमीरों के पास 76 प्रतिशत हिस्सा है। यदि दुनिया की कुल आय सब लोगों को बराबर-बराबर बांट दी जाए तो हर आदमी लखपति बन जाएगा। उसके पास 62 लाख 46 हजार रुपए की संपत्ति होगी। हर आदमी को लगभग सवा लाख रु. महिने की आय हो जाएगी लेकिन असलियत क्या है? भारत में 50 प्रतिशत लोग ऐसे हैं, जिनकी आय सिर्फ साढ़े चार हजार रु. महिना है याने डेढ़ सौ रु. रोज। करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिनकी आय 100 रु. रोज भी नहीं है। उन्हें रोटी, कपड़ा और मकान भी ठीक से उपलब्ध नहीं हैं। शिक्षा, चिकित्सा और मनोरंजन तो दूर की बात है। इन्हीं लोगों की मेहनत के दम पर अनाज पैदा होता है, कारखाने चलते हैं और मध्यम व उच्च वर्ग के लोग ठाठ करते हैं। अमीरी और गरीबी की यह खाई बहुत गहरी है। यदि दोनों की आमदनी और खर्च का अनुपात एक और दस का हो जाए तो खुशहाली चारों तरफ फैल सकती है। (लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक/ ईएमएस)

''विवाह की अनमोल भेंट''

(लघुकथा)

प्राय: देखा गया है कि अभी भी समाज का कुछ वर्ग दहेज के मायाजाल में उलझा हुआ है। विवाह का मूल उद्देश्य तो खुशहाल जिंदगी में निहित है, जो किसी भी धनराशि पर निर्भर नहीं है, परंतु विवाह की नींव इसी धनराशि को तय करने के बाद रखी जाती है। शंकर के माता-पिता दहेज को लेकर बहुत सारे सपने बुन रखे थे। जब उन्होने शंकर के सामने दहेज की बात रखी तो उसने अपनी उदार सोच उनके सामने रखी। उसने कहा कि मेरी जीवनसाथी की तुलना आप धनराशि से करना चाहते हो। मेरी होने वाली पत्नी भी तो किसी माँ की जिंदगी होगी। चौबीस घंटे अपनी गुड़िया के लिए सुंदर सपने बुनने वाली माँ की जान होगी। अपना सब कुछ लुटाकर उसकी खुशियों के लिए जीने वाले पिता के लिए उनकी बेटी के क्या मायने है यह शायद माता-पिता के लिए शब्दों में व्यक्त करना तो संभव भी नहीं है। वह तो अपने भाई-बहन की छाया और दोस्त होगी। उस परिवार की जिंदगी होगी। मैं तो विवाह के पश्चात यूंही अमीर बन जाऊंगा और आप मुझे पैसो के तराजू पर तौलने की कोशिश कर रहे है।

जो माता-पिता उसके भावों को देखकर उसका दु:ख-दर्द समझ जाते है, वह अब मुझे और मेरे परिवार को समझने में अपना सारा समय व्यतीत करेंगी। अपनी ख़्वाहिशों को भूलकर मेरे लिए सब कुछ त्याग करेंगी। उसके समर्पण, त्याग की मैं क्या कीमत लूँ। मैं इतना स्वार्थी नहीं होना चाहता। मेरी जीवनसाथी मेरे लिए अमूल्य है। मुझे दहेज के मायाजाल में नहीं फंसना है।

इस लघुकथा से यह शिक्षा मिलती है कि यदि पुरुष अपनी उदार सोच का परिचय दे तो दहेज जैसी समस्या को मूल से समाप्त किया जा सकता है। समाज में परिवर्तन की दिशा में सबक़ों मिलकर प्रयास करने होंगे और अच्छी सोच का खुलकर स्वागत करना होगा। शंकर ने माता-पिता अंधभक्त बनना स्वीकार नहीं किया बल्कि पूरे तथ्यों के साथ अपने मनोभाव माता-पिता के सामने रखें और सही सोच को अपनाने पर बल दिया, इसलिए सदैव सत्य के लिए लड़े केवल आज्ञाकारी बनकर गलत निर्णय को स्वीकार न करें और न ही करने को बढ़ावा दे। (कवयित्री-डॉ. रीना रवि मालपानी /ईएमएस)

शब्द पहेली - 7138

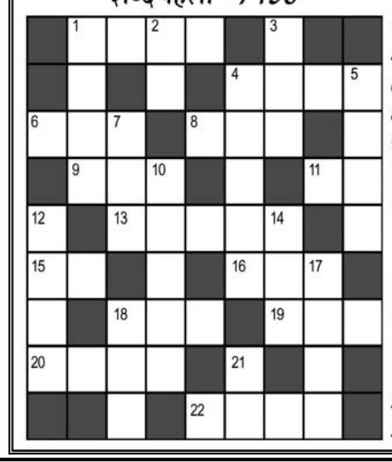

बाएँ से दाएँ

1.प्रार्थना,खुशामद-4
4.श्मशान,शवदाहगृह-4
6.भ्रमर,चक्र-3
8.कामदेव,सुंदर-3
9.चांदी-3
11.सितारा-2
13.राजकुमार,मनोज कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-5
15.हालात,तबियत-2
16.फिजूल,व्यर्थ-3
18.डिपो-3
19.गमन,विदा-3
20.झगड़ा,अनबन-4
22.लुंगी-4

ऊपर से नीचे

1.आलता,माहुर-4
2.घाटा,नुकसान-2
3.कमल,जलज-3
4.अभिष्ट इच्छा,चाह-5
5.टक्कर,मुठभेड़-4
7.रात्रि,निशा-3
10.जरुरतमंद-5
12.हाथी साधने वाला-4
14.तरंग,हिलोर-3
17.कसरत,परेड-4
18.विश्राम,राहत-3
21.मार्ग,पथ-2

शब्द पहेली -7137 का हल

त	फ	री	ह		क	ल	र	व	
क		छ	ल	क	प	ट		र	
रा	ख			म			बं	दा	
र	त		प	ल	क		दा	न	
	र	स	ना		मा	ख	न		
त	ना		ह	म	ल		बा	स	
ल	क			ग			ज	ल	
ध		म	न	र	ख	ना		बा	
र	म	जा	न		त	क	दी	र	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

रोहित से अनबन नहीं, टेस्ट सीरीज में कमी खलेगी : विराट

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली ने सीमित ओवरों के प्रारुप के लिए कप्तान बनाये गये रोहित शर्मा से मतभेद की खबरों से इंकार किया है। विराट ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में उन्हें रोहित की कमी खलेगी। रोहित मासंपेशियों में खिंचाव के कारण टेस्ट सीरीज सीरीज से बाहर हो गये हैं। इसके बाद विराट ने भी एकदिवसीय सीरीज से अलग होने की घोषणा कर दी थी। जिसके बाद इन दोनो के बीच विवाद की खबरें आयीं थीं। वहीं अब इस मामले में विराट ने रोहित से किसी भी प्रकार के विवाद से इंकार किया है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की जो भी अटकलें लगायी जा रही हैं, वह सभी आधारहीन हैं। उन्होंने कहा कि टेस्ट सीरीज में रोहित जैसे अनुभवी खिलाड़ी की कमी महसूस होना तय है।

रोहित की कमी के सवाल पर विराट ने कहा कि वह अनुभवी खिलाड़ी हैं। उनकी कमी खलेगी। साथ ही कहा, 'मेरे और रोहित के बीच कोई अनबन नहीं है।' कोहली ने कहा, 'मैं इस प्रकार की बातों के सामने आने के कारणों को समझ सकता हूं। बीसीसीआई ने जो भी फैसला लिया वह ठीक है। मेरे और रोहित के बीच कोई समस्या नहीं है। मैं पिछले दो साल से स्पष्टीकरण देते हुए थक गया हूं। मेरा कोई भी काम या फैसला टीम को नीचा दिखाने या नुकसान के लिए नहीं होगा।'

वहीं इससे पहले रोहित ने भी एक साक्षात

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार बुधवार को भी गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में पिछले दो दिनों से जारी गिरावट आज तीसरे दिन भी बनी रही। इसका कारण दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनियों इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस और एचडीफएसी के शेयरों में आई गिरावट रही। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 329.06 अंक करीब 0.57 फीसदी की गिरावट के साथ ही 57,788.03 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 103.50 अंक तकरीबन 0.60 फीसदी फिसलकर 17,221.40 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में सबसे ज्यादा तीन फीसदी से अधिक की गिरावट बजाज फाइनेंस के शेयरों में रही। इसके अलावा बजाज फिनसर्व, पावर ग्रिड, आईटीसी और टीसीएस के शेयर भी घाटे में रहे। वहीं दूसरी ओर सन फार्मा, कोटक बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति और एलएंडटी के शेयर ऊपर आये हैं।

जानकारों के अनुसार, वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख और विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली जारी रहने से बाजार धारणा पर दबाव पड़ा जिससे वह टूट गया। इससे पहले गत दिवस भी बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ था।

सोने , चांदी में गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू बाजार में सोने , चांदी में गिरावट आई है। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना 297 रुपये की गिरावट के साथ ही 47,019 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोना 47,316 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था जबकि चांदी की कीमत भी 556 रुपये की गिरावट के साथ ही 59,569 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई। दूसरी ओर पिछले कारोबारी सत्र में यह 60,125 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना गिरावट के साथ 1,769 डॉलर प्रति औंस रह गया, जबकि चांदी 21.92 डॉलर प्रति औंस पर बनी रही।

केंद्र सरकार की मार्च 2024 तक 3.75 करोड़ टन पोषक तत्व युक्त चावल बांटने की योजना

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने मार्च 2024 तक लक्षित सार्वजानिक वितरण प्रणाली (टीपीडीएस) और अन्य कल्याणकारी योजनाओं (ओडब्ल्यूएस) के माध्यम से 3.75 करोड़ टन फोर्टीफाइड (पोषक तत्व युक्त) चावल वितरित करने की योजना बनाई है, जो वर्ष 2020-21 की खाद्यान्न वितरण योजना के अनुसार सरकार द्वारा आवंटित चावल की संपूर्ण मात्रा के बराबर है। पिछले सप्ताह संसद में दिए गए एक उत्तर के अनुसार वर्ष 2021-22 में केंद्र ने एकीकृत बाल विकास सेवाओं (आईसीडीएस) और प्रधान मंत्री पोषण शक्ति निर्माण (पीएम-पोषण) के माध्यम से 35 लाख टन फोर्ट्टीफाइड चावल वितरित करने की योजना बनाई है, जिसे मार्च 2023 तक बढ़ाकर 1.75 करोड़ तक कर दिया जाएगा ताकि आईसीडीएस और पीएम-पोशन योजनाओं के साथ 291 महत्त्वाकांक्षी जिलों को शामिल किया जा सके। इसलिए मार्च 2024 तक देश में पूरी टीपीडीएस और ओडब्ल्यूएस को फोर्टीफाइड चावल के दायरे में ले लिया जाएगा। आवश्यक पोषक तत्वों वाले फोर्टीफाइड चावल की शुरुआत प्रायोगिक आधार पर तीन साल के लिए वर्ष 2019-20 में 174.64 करोड़ रुपए के कुल व्यय के साथ की गई थी। इस प्रायोगिक योजना में 15 राज्यों के 15 जिलों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, हर राज्य में एक जिले के साथ। हालांकि केंद्र सरकार बच्चों और वयस्कों में कुपोषण से लडऩे में एक प्रभावी तरीके के रूप में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए चावल की पौष्टिकता का प्रचार कर रही है, लेकिन कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि यह एक गलत तरीका है और फिजूलखर्ची है।

देश के दो रइसों अंबानी और अडानी ने अपने निवेशकों को किया मालामाल

मुंबई (ईएमएस)। देश के दो सबसे बड़े रईसों मुकेश अंबानी और गौतम अडानी की कंपनियों ने निवेशकों पर जमकर पैसा की बरसात की है।रिपोर्ट के मुताबिक रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे बड़ी वेल्थ क्रिएटर बनकर उभरी है। इसी तरह अडानी ट्रांसमिशन ने सबसे तेजी से निवेशकों की झोली भरी है, जबकि अडानी एंटरप्राइजेज लगातार अच्छा प्रदर्शन वाली कंपनी रही। स्टडी के मुताबिक देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लगातार तीसरी बार सबसे बड़ी वेल्थ क्रिएटर रही। 2016 से 2021 के बीच कंपनी ने 9.7 लाख करोड़ रुपये की वेल्थ जुटाई। यह अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। कंपनी ने इस मामले में अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा है। इससे पहले कंपनी ने 2014 से 2019 के बीच 5.6 लाख करोड़ रुपये बनाए थे। इस दौरान कंपनी का मुनाफा सालाना 8 फीसदी बढ़ा जबकि शेयर की कीमत सालाना 31 फीसदी की चक्रवृद्धि दर से बढ़ी।इस दौरान सबसे ज्यादा वेल्थ क्रिएट करने वाली कंपनियों की सूची में टीसीएस, एचडीएफसी बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर शामिल रहीं।

साल 2016 से 2021 के बीच सबसे तेजी से वेल्थ क्रिएट करने वाली कंपनियों की लिस्ट में अडानी ट्रांसमिशन पहले नंबर पर रही।कंपनी ने 93 फीसदी की सालाना चक्रवृद्धि दर से वेल्थ क्रिएट की है। मामले में दूसरे नंबर पर दीपक नाइट्राइट है ,इसने 90 फीसदी की सालाना चक्रवृद्धि दर निवेशकों के लिए कमाई की है। अडानी एंटरप्राइजेज ने सालाना 86 फीसदी और टैनला प्लेटफॉर्म्स ने 85 फीसदी की सालाना दर से कमाई की है। अगर आपने 2016 में देश की टॉप 10 फास्टेस्ट वेल्थ क्रिएटर कंपनियों में 10 लाख रुपये का निवेश किया होता तो आज इसकी कीमत 1.7 करोड़ रुपये होती। इन कंपनियों ने औसतन 77 फीसदी की सालाना दर से रिटर्न दिया है। इस दौरान सेंसेक्स की सालाना रफ्तार 14 फीसदी रही। इस बीच अडानी एंटरप्राइजेज मोस्ट कंसिसटेंट औरर मोस्ट ऑल राउंड वेल्थ क्रिएटर बनकर उभरी है। स्टडी के मुताबिक 2016 से 2021 के बीच कंपनी के शेयर ने लगातार पिछले 5 साल बेहतरीन प्रदर्शन किया है और 86 फीसदी की सीएजीआर से रिटर्न दिया है। साथ ही इस शेयर ने सभी कैटगरीज में ऑल राउंड प्रदर्शन किया है।

नवंबर में निर्यात 27 फीसदी बढ़कर 30 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली (ईएमएस)। इस वर्ष नवंबर में देश का निर्यात 27.16 प्रतिशत बढ़कर 30.04 अरब डॉलर हो गया है। नवंबर 2020 के दौरान निर्यात 23.62 अरब डॉलर दर्ज किया गया था। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा ज़ारी आंकड़ों के अनुसार नवंबर 2019 की तुलना में पिछले महीने के निर्यात में 16.55 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। नवंबर 2021 में गैर-पेट्रोलियम, गैर रत्न और आभूषण निर्यात 23.68 अरब डॉलर रहा, जो नवंबर 2020 की तुलना में 22.26 प्रतिशत की सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है। नवंबर में भारत का कुल निर्यात 50.36 अरब डॉलर रहा, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 22.80 फीसदी की वृद्धि ?दिखाता है। आंकड़ों के अनुसार नवंबर में व्यापार घाटा 22.91 अरब डॉलर रहा, जो एक साल पहले समान महीने में 10.19 अरब डॉलर था। चालू वित्त वर्ष के पहले आठ माह अप्रैल-नवंबर में वस्तुओं का निर्यात 51.34 प्रतिशत बढ़कर 263.57 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह आंकड़ा 174.16 अरब डॉलर रहा था। वित्त वर्ष के पहले आठ माह में आयात 74.84 प्रतिशत के उछाल के साथ 384.34 अरब डॉलर रहा, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 219.82 अरब डॉलर था। मंत्रालय ने कहा कि अप्रैल-नवंबर में व्यापार घाटा 164.49 प्रतिशत बढ़कर 120.76 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 45.66 अरब डॉलर रहा था।

पेट्रोल और डीजल पर टैक्स से पिछले तीन साल में सरकार को मिले 8 लाख करोड़: वित्त मंत्री

मुंबई (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने पिछले तीन वित्त वर्षों के दौरान पेट्रोल और डीजल पर करों से लगभग 8.02 लाख करोड़ रुपए हा?सिल ?किए हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद को यह जानकारी दी। इसमें से अकेले वित्त वर्ष 2020-21 में सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर करों से 3.71 लाख करोड़ रुपए से अधिक जुटाए हैं। वित्त मंत्री पिछले तीन वर्षों के दौरान पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में वृद्धि और इन ईंधनों पर विभिन्न करों के माध्यम से अर्जित राजस्व के विवरण के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब दिया। सीतारमण ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क पांच अक्टूबर, 2018 के 19.48 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर चार नवंबर, 2021 को 27.90 रुपए प्रति लीटर हो गया। इसी अवधि के दौरान डीजल पर शुल्क 15.33 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर 21.80 रुपए हो गया। इस अवधि के भीतर पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क पांच अक्टूबर, 2018 के 19.48 रुपए प्रति लीटर से गिरकर छह जुलाई, 2019 तक 17.98 रुपए रह गया। वहीं इस दौरान डीजल पर उत्पाद शुल्क 15.33 रुपए से घटकर 13.83 रुपए रह गया।

पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क दो फरवरी, 2021 तक बढ़ते हुए क्रमश: 32.98 रुपए और 31.83 रुपए हो गया था और फिर चार नवंबर, 2021 को 27.90 रुपए प्रति लीटर (पेट्रोल) और 21.80 रुपए (डीजल) तक आ गया। सीतारमण ने कहा ?कि पिछले तीन वर्षों के दौरान पेट्रोल और डीजल से एकत्रित उपकर सहित केंद्रीय उत्पाद शुल्क इस प्रकार हैं- वर्ष 2018-19 में 2,10,282 करोड़ रुपए, वर्ष 2019-20 में 2,19,750 करोड़ रुपए और वर्ष 2020-21 में 3,71,908 करोड़ रुपए।' इस साल चार नवंबर को दिवाली से ठीक पहले सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमश: पांच रुपए और 10 रुपए प्रति लीटर की कटौती की थी। इसके बाद कई राज्यों ने इन दो ईंधनों पर मूल्य वर्धित कर (वैट) घटाया है।

भारत की चीनी सब्सिडी वैश्विक व्यापार नियमों के अनुरूप नहीं: डब्ल्यूटीओ

नई दिल्ली (ईएमएस)। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की विवाद समाधान समिति ने कहा कि भारत के चीनी क्षेत्र को समर्थन के उपाय वैश्विक व्यापार नियमों के अनुरूप नहीं है। हालांकि, भारत ने समिति की बातों को अस्वीकार्य बताया है। ब्राजील, आस्ट्रेलिया और ग्वाटेमाला ने 2019 में भारत को डब्ल्यूटीओ की विवाद निपटान व्यवस्था में घसीटा था। ब्राजील दुनिया में चीनी का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक देश है। डब्ल्यूटीओ के अनुसार इस मामले में समिति की रिपोर्ट को जारी किया गया है।तीन देशों की शिकायतों पर अलग से निष्कर्ष और सिफारिशें देते हुए विश्व व्यापार संगठन की समिति ने कहा ?कि हमने पाया है कि भारत कृषि पर समझौते के अनुच्छेद 7.2 (बी) के तहत अपने दायित्वों के अनुरूप काम नहीं कर रहा। इस बारे में भारत ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि चीनी क्षेत्र के लिये जारी भारत के किसी भी मौजूदा नीतिगत उपायों पर विश्व व्यापार संगठन की समिति के निष्कर्षों का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि भारत ने अपने हितों की रक्षा के लिये सभी जरूरी कदम उठाए हैं और किसानों के हितों की रक्षा के लिये डब्ल्यूटीओ में रिपोर्ट के खिलाफ अपील दायर की है। इन देशों ने 'गलत तरीके से दावा' किया था कि भारत गन्ना उत्पादकों को जो घरेलू सहायता दे रहा है, वह विश्व व्यापार संगठन की निर्धारित सीमा से अधिक है और भारत चीनी मिलों को निर्यात सब्सिडी प्रदान करता है, जिस पर निषेध है। डब्ल्यूटीओ नियमों के मुताबिक विश्व व्यापार संगठन के सदस्य देश को अगर लगता है कि कोई खासा उपाय तय नियमों के खिलाफ है, वह जिनेवा स्थित बहुपक्षीय संस्थान में मामला दायर कर सकता है। विवाद समाधान के पहले चरण में द्विपक्षीय विचार-विमर्श पहली प्रक्रिया है। अगर दोनों पक्ष मामले का समाधान नहीं कर पाते हैं, तो वे विवाद निपटान समिति के पास जा सकते हैं।

जल्दी ही कुवैत की यात्रा पर जा सकते हैं पीएम मोदी, द्विपक्षीय कारोबार बढ़ाने पर होगी चर्चा

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही कुवैत की यात्रा पर जा सकते हैं। खास बात यह है कि पिछले 40 सालों में देश के किसी प्रधानमंत्री की यह पहली कुवैत यात्रा होगी। बताया जाता है कि कुवैत जाने की पीएम मोदी की यह योजना पश्चिम एशिया के देशों से संबंध मजबूत करने और रणनीतिक साझेदारी को नए मुकाम पर ले जाने के प्रयासों का हिस्सा है।

उल्लेखनीय है कि तेल के लिहाज से कुवैत एक संपन्न देश है और भारत में तेल सप्लाई का एक अहम स्रोत भी है। बताया जाता है कि इस यात्रा के दौरान पीएम मोदी कुवैती निवेशकों को भारत आने का न्योता दे सकते हैं और इसके अलावा कुवैत से रक्षा सहयोग बढ़ाने की भी कोशिश रहेगी।

सूत्रों के अनुसार पीएम मोदी जनवरी के पहले हफ्ते में कुवैत की यात्रा पर जा सकते हैं। इससे पहले साल 2015 में पीएम ने अन्य 5 गल्फ देशों का दौरा किया था। उस वक्त पीएम मोदी कुवैत नही जा सके थे। कुवैत में लगभग दस लाख भारतीय रहते हैं। पीएम मोदी की इस यात्रा से दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में मजबूती आएगी। भारत के कुवैत से प्रगाढ़ संबंध रहे हैं। जिस समय भारत कोरोना की दूसरी लहर से जूझ रहा था, उस समय कुवैत ने बड़ी संख्या में ऑक्सीजन सिलेंडर और अन्य स्वास्थ्य संबंधी उपकरण भेजकर भारत की सहायता की थी। इतना ही नहीं, कुवैत के सपोर्ट के लिए धन्यवाद कहने के लिए पीएम मोदी द्वारा कुवैती अमीर शेख नवफ अल-अहमद को लिखी चिट्ठी खुद विदेश मंत्री एस जयशंकर लेकर पहुंचे थे।

पीएम मोदी की इस यात्रा को लेकर यह भी कहा जा रहा है कि 2022 की शुरुआत में पीएम दुबई 2020 एक्सपो का दौरा करेंगे। संयुक्त अरब अमीरात के साथ-साथ कुवैत की यह यात्रा कई मायनों में अहम होने वाला है। अगस्त 2015 में क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के निमंत्रण पर यूएई की अपनी पहली यात्रा के बाद से, पीएम मोदी की नजर पूरी तरह अबू धाबी के साथ संबंधों को मजबूत करने पर केंद्रित है। संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और चीन के बाद भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है।

गाजीपुर बार्डर पर किसानों के खाली टैंटों से बांस- बल्ली और प्लास्टिक बटोरने में जुटे झुग्गीवासी

गाजीपुर बॉर्डर (ईएमएस)। गाजीपुर बार्डर प्रदर्शन कर रहे अधिकांश किसान अपने घरों के लिए रवाना हो गए हैं। जो थोड़े बहुत बचे हैं वे भी एक दो दिन में रवाना हो जाएंगे। किसानों के जाने से आसपास के झुग्गीवासियों ने प्रदर्शन स्थल पर बनाए गए टेंटों में लगे बांस-बल्ली, पुआल और प्लास्टिक की सीटें बटोरनी शुरू कर दी हैं। किसान आंदोलन स्थल में किसानों के खाली पड़े अस्थाई आशियानों से बांस-बल्लियांस, पुआल और प्लास्टिक के कवर इकट्ठा कर रही 50 साल की खेड़ा कॉलनी निवासी सीमा ने बताया कि झोपड़ी जगह-जगह से कमजोर हो गई है, उसे मजबूत करना है।

यहां से यह बांस-बल्ली और प्लास्टिक ही ले जा रही हूं। सर्दी में बचने में यह काम आएगी। झोपड़ी पर ढक दूंगी। नेशनल हाइवे-24 के फ्लाईओवर से अंडरपास की तरफ आ रही सड़क के दोनों तरफ के खाली टेंटों से लकड़ी और प्लास्टिक आदि बटोर रही 40 साल की सलवानी बताती हैं, झोपड़ी काफी जगह से टूट गई है। सर्दियों में बचने के लिए प्लास्टिक चारों तरफ लगा देंगे तो ठंडी हवा झोपड़ी में नहीं आएगी।

आंदोलन स्थल के आसपास यूपी की तरफ स्थित झुग्गी बस्तियों में रहने वाले दर्जनों आदमी, औरतें और उनके बच्चे वहां से लकड़ी, बांस आदि ले जा रहे हैं। वही, दिल्ली गेट के आसपास खोखे लगाए बैठे लोग भी यह सामान ले जाने के लिए बकायदा टेंपो साथ लेकर आए थे। टोल प्लाजा के पास 'अम्मा की चाय की दुकान' में काम करने वाले 4 लोग बांस और पुलाव इकट्ठा कर रहे थे। उन्होंने बताया कि आंदोलन के शुरू होने के कुछ महीने बाद ही उनकी दुकान बंद हो गई और बाद में टूट गई थी। हाइवे के एक कोने में वह खोखानुमा दुकान वर्षों पुरानी है। अब वे लोग उसे नए सिरे से बनाएंगे। उन्हें इसके लिए लकड़ी आदि मिल गई है। वे इसके लिए किसानों का आभार भी जताते हैं।

बांस की बल्लियों पर बने ये वही कैंप हैं, जिनको बनाने के लिए आंदोलनकारी किसानों को खासी मशक्कत करनी पड़ी थी। सामान के लिए फंड इकट्ठा किया गया। उसके बाद कारीगरों के साथ खुद किसान आशियाना बनाने में कई दिनों तक जुटे रहे थे। आज भी खाली पड़े टेंटों के अवशेष कई गरीबों की झोपड़ियां मजबूत कर रहे हैं।

चिंता की बात: ड्रैगन केमिकल, बायोलॉजिकल और एंटी न्यूक्लियर जंग का अभ्यास कर रहा

बीजिंग (ईएमएस)। चीन की पीपल्स लिबरेशन आर्मी की जॉइंट मिलिट्री ब्रिगेड ने तिब्बत में केमिकल, बायोलॉजिकल और एंटी न्यूक्लियर जंग का अभ्यास किया है। तिब्बत से सटे पूर्वी लद्दाख की सीमा पर भारत और चीन के बीच बढ़े तनाव के दौर में यह मॉक ड्रिल अहम है।अभ्यास में कमांडो, सशस्त्र समूह और केमिकल वारफेयर की ट्रेनिंग पाए हुए सैनिक शामिल थे,जो पीएलए की अलग-अलग विंग्स का हिस्सा हैं। यह युद्धाभ्यास तिब्बत सैन्य क्षेत्र में वेस्टर्न थिएटर कमांड के तहत कियागया। चीन में 5 थिएटर कमांड्स हैं,जिसमें से यह सबसे अहम और बड़ी है। भारत के साथ जारी मौजूदा तनाव में इसका ही रोल है। यह कमांड ही भारत के साथ लगी लद्धाख से अरुणाचल प्रदेश तक की 3488 किलोमीटर लंबी सीमा की निगरानी करती है।

पीएलए की स्थानीय मीडिया ने युद्धाभ्यास की जानकारी दी गई है,जो नवंबर के आखिरी दिनों में किया गया था। चीनी आधिकारिक मीडिया की ओर से ड्रैगन की सेनाओं के युद्धाभ्यास की जानकारी कम ही दी जाती है।खासतौर पर गैर-परंपरागत हथियारों के बारे में जानकारी नहीं दी जाती।रिपोर्ट में बताया गया है कि यह मॉक ड्रिल कैसी थी और किन सैनिकों ने इसमें हिस्सा लिया था। लेकिन युद्धाभ्यास की सटीक लोकेशन के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। आर्टिकल में बताया गया है कि सैन्याभ्यास में रात को भी ड्रिल चली। इस दौरान एक तरफ रॉकेट लांच किए गए, वहीं दूसरी तरफ आर्मी के इंजीनियर्स बुलाए गए थे, जिन्होंने टारगेट वाली जगहों पर विस्फोटक इंस्टॉल किए।

ड्रिल के तहत कमांडिंग ऑफिसर ने न्यूक्लियर, बायोलॉजिकल और केमिकल अटैक की चेतावनी दी। इसके बाद एक बटालियन के कमांडर लि कुनफेंग नो मोर्चा संभाला। गैस मास्क पहले सभी सैनिक पूरी तरह से मुस्तैद थे और फिर उन्होंने उससे निपटने की ड्रिल पूरी की और कमांड पोस्ट को स्थिति के बारे में पूरी जानकारी दी। यह ड्रिल पूरी तरह से दुश्मन की स्थिति, उसके हमले और तत्काल प्रतिक्रिया का जवाब देने के लिए की गई थी। इस रिपोर्ट की तस्वीरें भी सामने आई हैं, जिनमें चीनी सैनिक गैस मास्क पहने दिख रहे हैं। नवंबर में ही एक रिपोर्ट में अमेरिका ने बताया था कि चीन की सेना केमिकल और बायोलॉजिकल हथियारों के इस्तेमाल को लेकर रिसर्च कर रही है।

धरती पर अथाह जल स्त्रोत अंटार्कटिका पर मंडरा रहा खतरा

-मुंबई समेत दुनिया के तटीय शहरों के कई इलाके डूब सकते पानी में

वॉशिंगटन (ईएमएस)। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अगले 5 साल में अंटार्कटिका ग्लेशियर टूट जाएगा।इससे दुनियाभर के समुद्र में जलस्तर 25 इंच तक बढ़ जाएगा।धरती पर अथाह जल के स्त्रोत अंटार्कटिका पर बड़ा खतरा मंडरा रहा है। इसके थ्वाइट्स ग्लेशियर में लंबा दरार आना शुरू हो गया है।यह ग्लेशियर 170,312 किमी लंबा है, जो अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य के बराबर है।ऐसे में मुंबई समेत दुनिया के तटीय शहरों के कई इलाके पानी में डूब सकते हैं।

जारी किए गए नए डेटा से पता चलता है कि महासागरों के गर्म होने से थ्वाइट्स ईस्टर्न आइस शेल्फ़ (टीईआईएस) पनडुब्बी शोल या बैंक पर अपनी पकड़ खो रही है, जो इसे बाकी ग्लेशियर में बनाए रखने के लिए एक पिनिंग पॉइंट के रूप में काम करता है।विशेषज्ञों ने कहा कि इस थवेट्स ग्लेशियर में आ रही दरार की गति बहुत ज्यादा है।इस बर्फ से निकला पानी वैश्विक स्तर पर समुद्र में जलस्तर में कुल बढ़ोतरी का 4 प्रतिशत होगा।सैटलाइट आंकड़ों को अमेरिकन जियोफिजिकल यूनियन की वार्षिक बैठक में पेश किया गया है।इंटरनेशनल थ्वाइट्स ग्लेशियर कोलैबोरेशन यानी आईटीजीसी के यूएस लीड कोऑर्डिनेटर, ग्लेशियोलॉजिस्ट प्रोफेसर टेड स्कैम्बोस ने बीबीसी को बताया, 'ग्लेशियर के सामने एक दशक से भी कम समय में नाटकीय बदलाव होने जा रहा है। इस रिसर्च के प्रमुख लेखक और ओरेगन स्टेट यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर एरिन पेटिट ने खतरनाक अंदाज में बढ़ती दरार की तुलना विंडशील्ड में देखी गई दरार से की है।

उन्होंने कहा कि ये ऐसा होगा, मानो छोटी सी टक्कर के बाद भी जैसे किसी कार का शीशा सैकड़ों टुकड़ों में बिखर जाता है, उसी तरह से बर्फ का ये विशालकाय ग्लेशियर बिखर जाएगा।वैज्ञानिकों ने अध्ययन में पाया है कि अंटार्कटिका में फ्लोरिडा राज्य जितने बर्फ के टुकड़े के टूटने के पीछे सिर्फ ग्लोबल वॉर्मिंग की जिम्मेदार नहीं है, बल्कि अगस्त में किए गये स्टडी से पता चला है कि पृथ्वी के अंदर से भी काफी ज्यादा गर्मी निकल रही है।इससे बर्फ पिघल रहा है।

भाजपा से मुकाबले के लिए एकजुटता जरूरी, पवार को सौंपी जा सकती है ममता को मनाने की जिम्मेदारी

-सोनिया गांधी के आवास पर हुआ विपक्षी दलों का मंथन

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रीय राजधानी में विपक्षी एकता को मजबूत करने के लिए कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी के आवास पर विपक्षी दलों के नेताओं की बैठक हुई। बैठक में सभी विपक्षी दलों के नेता मौजूद रहे, टीएमसी सुप्रीमो ममता बैनर्जी आमंत्रित नहीं की गई थीं। विपक्षी दलों की यह अहम बैठक अगले माह देश के पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए विपक्ष की एकता पर ही केंद्रित रही। बैठक में वक्ताओं ने इस मुद्दे पर ममता बनर्जी को समझाने का प्रयास करने का सुझाव दिया। बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि जिस राज्य में जिस विपक्षी दल का ज्यादा प्रभाव है, उसे ही नेतृत्व सौंपा जाए। बैठक में एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार, नेशनल कांफ्रेंस अध्यक्ष फारुख अब्दुल्ला, शिवसेना नेता संजय राउत, डीएमके सांसद टीआर बालू, कांग्रेस के नेता मलिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल, और राहुल गांधी जैसे नेताओं ने हिस्सा लिया।

बैठक के बाद शिवसेना सांसद संजय राउत ने बताया कि बैठक में विपक्ष की एकजुटता पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा संसद में चल रही कार्यवाही पर भी हमने चर्चा की, हम माफी नहीं मांगेंगे। विपक्ष की एकता पर हमने बात की और हम राज्यों में मिलकर काम करेंगे। बैठक के बाद डीएमके सांसद टीआर बालू ने कहा, हमने राज्यसभा से सांसदों के निलंबन पर चर्चा की। वहीं, फारुख अब्दुल्ला ने बताया कि हमने राष्ट्र की वर्तमान स्थिति के बारे में चर्चा की। हमने यह समझने की कोशिश की कि हम कैसे एक साथ काम करते हुए राष्ट्रहित में कैसे आगे बढ़ सकते हैं।

सोनिया गांधी के आवास पर हुई बैठक में इस बात पर भी चर्चा हुई की ममता बनर्जी को संयुक्त विपक्ष के साथ आने के लिए समझाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में टीएमसी नेता ममता बैनर्जी, कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त प्रगतिशील गठन (यूपीए) के स्थान पर विपक्षी दलों का एक नया गठबंधन बनाने का प्रयास कर रही हैं। इस वजह से कांग्रेस से उनके रिश्ते तल्ख हो गए हैं।

विभिन्न क्षेत्रीय दलों का समर्थन हासिल करने के लिए ममता इन दिनों देश के विभिन्न राज्यों का दौरा कर अपने नेतृत्व वाले विपक्षी धड़े को समर्थन देने का आग्रह कर रही हैं। पिछले दिनों मुंबई में शरद पवार से मिलने के बाद उन्होंने कहा था कि अब कोई यूपीए नहीं है। उन्होंने सीधे तो नहीं, लेकिन इशारों में स्पष्ट कर दिया था कि अब वह अब कांग्रेस के बिना विपक्षी दलों के बीच एकता बनाने का प्रयास कर रही हैं। विपक्षी दल ममता के बगावती तेवरों से चिंता में पड़ गए हैं। उनका मानना है कि भाजपा से मुकाबले के लिए संयुक्त विपक्ष की जरूरत है, इसमें ममता बैनर्जी के तेवर बाधा बन रहे हैं। बैठक में कुछ लोगों ने सुझाव दिया कि ममता बनर्जी को वास्तविक स्थिति समझाने का प्रयास किया जाए।

2021 के दुनिया के सबसे प्रशंसित पुरुषों की सूची पीएम मोदी चार पायदान खिसकर आठवें नंबर पर

रुसी राष्ट्रपति पुतिन की टॉप-10 में वापसी

लंदन (ईएमएस)। ब्रिटिश मार्केट रिसर्च कंपनी ने साल 2021 के दुनिया के सबसे प्रशंसित पुरुषों और महिलाओं की सूची को जारी किया है।सूची में पिछले बार की तरह इस बार भी अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा शीर्ष पर काबिज हैं। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चार पायदान खिसकर आठवें नंबर पर पहुंचे हैं। बड़ी बात यह है कि सूची के टॉप 10 में एक साल बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की वापसी हुई है।

महिलाओं की लिस्ट में बराक ओबामा की पत्नी मिशेल ओबामा लगातार तीसरी साल पहले स्थान पर बनीं हुई हैं। दूसरे स्थान पर एंजलीना जोली, तीसरे पर क्वीन एलिजाबेथ द्वितीय और चौथे पर ओप्रा विन्फ्रे हैं। टॉप 10 में प्रियंका चोपड़ा, एम्मा वॉटसन और मलाला यूसुफजई का नाम भी शामिल है। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को इस सूची में 11वां स्थान मिला है।

प्रधानमंत्री मोदी 2021 के दुनिया के सबसे प्रशंसित पुरुषों की सूची में चार स्थान नीचे खिसके हैं। 2020 की सूची में पीएम मोदी चौथे स्थान पर काबिज थे। तब उनके कुल अंक 4.7 था, जो इस बार 3.6 हो गया है। शीर्ष पर काबिज बराक ओबामा को भी पिछले साल के मुकाबले इस बार नुकसान उठाना पड़ा है। 2020 के सर्वे में उनके कुल अंक 8.9 था, जो इस बार घटकर 7.8 हो गया है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन एक साल बाद दुनिया के 10 सबसे प्रशंसित पुरुषों की सूची में फिर से शामिल हुए हैं। 2020 के सर्वे में पुतिन को 3.3 अंकों के साथ 12वां स्थान मिला था। इस बार वे 3.4 अंकों के साथ 9वें नंबर पक काबिज हैं। 69 साल के पुतिन ने अलीबाबा समूह के संस्थापक जैक मा को पछाड़कर दो पायदान ऊपर चढ़े हैं।इस साल की स्टडी में 38 देशों के 42000 लोगों का सर्वे किया गया। उत्तरदाताओं को एक सार्वजनिक व्यक्ति का नाम देने के लिए कहा गया जिसकी वे प्रशंसा करते हैं और फिर विकल्पों की सूची में से सबसे प्रशंसनीय व्यक्तित्व का चयन करते हैं। प्रत्येक देश के परिणामों को भी देश की जनसंख्या के आकार का प्रतिनिधित्व करने के लिए वेटेज दिया गया था।

कोरोना के नए वेरिएंट ओमीक्रोन की वजह से बढ़ सकती है मौतों की संख्या : डब्ल्यूएचओ

जेनेवा (ईएमएस)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने आशंका जाहिर की है कि कोरोना के नए वेरिएंट की वजह से मौतों की संख्या बढ़ सकती है। ओमिक्रॉन को लेकर डब्ल्यूएचओ ने कहा अब जबकि वेरिएंट ऑफ कंसर्न से संबंधित मामले दुनियाभर में बढ़ रहे हैं तो हमारी आशंका है कि हॉस्पिटलाइजेशन और मौतों की संख्या बढ़ सकती है। डब्ल्यूएचओ ने कहा ओमिक्रॉन के बारे में और स्पष्ट जानकारी के लिए अभी ज्यादा डेटा की जरूरत है। डब्ल्यूएचओ ने दुनियाभर के देशों से ओमिक्रॉन का ज्यादा से ज्यादा डेटा कलेक्शन करने की अपील भी की है। संगठन का मानना है कि ओमिक्रॉन वेरिएंट दुनिया में अपना असर छोड़ सकता है, लेकिन अभी इसके बारे में कोई भी बात कहना जल्दबाजी होगी। संगठन के मुताबिक जैसे जैसे डेटा सामने आते जाएंगे, तस्वीर साफ होती चली जाएगी।

उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले डब्ल्यूएचओ ने एक अध्ययन के आधार पर कहा था कि ओमिक्रॉन वेरिएंट डेल्टा से ज्यादा तेजी से फैलने के साथ ही वैक्सीन के प्रभाव को भी कम करता है। लेकिन दूसरी तरफ यह भी कहा है कि डेल्टा वेरिएंट के मुकाबले ओमिक्रॉन से होने वाला संक्रमण कम घातक है। संक्रमित व्यक्ति में दिखने वाले लक्षण डेल्टा के मुकाबले बहुत कम गंभीर होते हैं।

इस बीच ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की एक स्टडी में खुलासा हुआ है कि दो डोज वाली वैक्सीन ओमिक्रॉन के खिलाफ पर्याप्त एंटीबॉडी नहीं तैयार करती हैं। ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने पाया है कि ओमिक्रॉन के कारण पहले

हेड क्लर्क परीक्षा के पेपर लीक होने की कोई शिकायत नहीं मिली : चेयरमेन असित वोरा

गांधीनगर (ईएमएस) गुजरात गौण सेवा पसंदगी मंडल के चेयरमेन असित वोरा ने हाल ही में हुई हेड क्लर्क की परीक्षा के पेपर लीक होने के मामले में आज स्पष्टता की हैं उन्होंने कहा कि पेपर लीक होने की मंडल को ना तो कोई शिकायत मिली है और न ही इसके कोई पुख्ता सबूत मिले हैं मीडिया रिपोर्ट सामने आने के बाद पूरे मामले की जांच की जा रही हैं गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने पुलिस विभाग को जांच का आदेश दिया है और कोई भी दोषी बख्शा नहीं जाएगा असित वोरा ने कहा कि राज्य के उम्मीदवारों को सरकारी सेवाओं का लाभ दिलाने के लिए सरकार वार्षिक भर्ती कैलेंडर बनाकर भर्ती कर रही हैं मंडल द्वारा पारदर्शी रूप से भर्ती प्रक्रिया पूर्ण कर युवाओं को अवसर दिया जा रहा हैं राज्यभर में विद्यार्थी गांधीनगर आकर परीक्षा की तैयारी करते हैं, ऐसे में उनकी मेहनत व्यर्थ न जाए इसे ध्यान में रखते हुए पूरे ऐहतियात के साथ परीक्षाओं का आयोजन किया जाता हैं असित वोरा ने कहा कि गुजरात गौण सेवा पसंदगी मंडल द्वारा 12 दिसंबर को आयोजित हेड क्लर्क के 186 पदों के लिए परीक्षा हुई थीं जिसके लिए 241400 जितने उम्मदवारों ने आवेदन किया था जिसमें करीब 88000 उम्मीदवारों ने परीक्षा दी थीं इन परीक्षाओं का गांधीनगर, अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत, राजकोट, जामनगर के 782 केन्द्रों पर पारदर्शी तरीके से आयोजन किया गया था परीक्षा के पेपर लीक होने की मीडिया रिपोर्ट सामने आई है, लेकिन मंडल को ऐसी कोई शिकायत नहीं मिली हैं इसके बावजूद पुलिस की 15 से 16 टीमें बनाकर पूरे मामले की जांच की जा रही हैं जांच के दौरान यदि कोई ठोस सबूत मिलता है तो अनियमितता करनेवाले तत्त्वों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी किसी भी दोषी बख्शा नहीं जाएगा वोरा ने बताया कि गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी की अध्यक्षता में आज पेपर लीक मामले को लेकर बैठक हुई जिसमें पुलिस विभाग को संपूर्ण निष्ठा के साथ पूरे मामले की पारदर्शी जांच करने संबंधित अधिकारियों को आदेश दिया गया हैं जांच के बाद पुलिस की ओर से जो भी रिपोर्ट मिलेगी उसके आधार पर मंडल एफआईआर दर्ज कराने समेत कानूनी कार्यवाही करेगा और तब तक परीक्षा के प्रोविजनल आन्सर की भी जारी नहीं की जाएगी उन्होंने कहा कि गुजरात गौण सेवा पसंदगी मंडल द्वारा पिछले 7-8 वर्ष में संपूर्ण पारदर्शी तरीके से 25000 जितने पदों के लिए परीक्षा का आयोजन किया जा चुका है और इसमें लाखों उम्मीदवार शामिल हो चुके हैं कोरोनाकाल के दौरान भी अब तक मंडल द्वारा 40 परीक्षाओं का आयोजन किया जा चुका है, जिसमें 5000 से भी अधिक पदों के लिए चयन प्रक्रिया मंडल द्वारा पूर्ण की गई हैं साथ ही मंडल द्वारा विभिन्न विभागीय परीक्षाओं का भी आयोजन कर परीक्षाएं ली गई हैं

गुजरात में कोरोना के 53 नए मरीज, इतने ही ठीक हुए, कोई मौत नहीं

अहमदाबाद (ईएमएस) बुधवार को गुजरात में कोरोना के 53 नए मामले सामने आए हैं, वहीं 53 लोग ठीक होकर अपने घरों को लौट गए राहत बात है कि आज राज्य में कोरोना से कोई मौत नहीं हुई वहीं टीकाकरण अभियान के तहत आज राज्य में 3.31 लाख से अधिक लोगों को कोविड वैक्सीन दी गई स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटों में कोरोना के सबसे अधिक वडोदरा कॉर्पोरेशन में 13 केस दर्ज हुए वहीं अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 8, राजकोट कॉर्पोरेशन में 7, सूरत कॉर्पोरेशन में 7, नवसारी में 4, कच्छ में 3, आणंद में 2, जामनगर में 2, जामनगर कॉर्पोरेशन में 2, भरुच में 1, भावनगर कॉर्पोरेशन में 1, खेडा में 1, पंचमहल में 1, राजकोट में 1 और वलसाड में एक समेत राज्यभर में कोरोना के कुल 53 नए मरीज मिले वहीं पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 17, भावनगर कॉर्पोरेशन में 11, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 11, सूरत कॉर्पोरेशन में 6, कच्छ में 3, अमरेली में 2, नवसारी में 1, वलसाड में 1 और सूरत में 1 समेत राज्य में 53 लोग कोरोना से ठीक होकर अपने घर लौट गए राज्य में अब तक 817644 नागरिक कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं जबकि 10100 मरीजों को अब तक कोरोना निगल चुका हैं फिलहाल राज्य में 555 एक्टिव केसों में 550 स्टेबल हैं और 5 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं दूसरी ओर राज्य के नागरिकों को कोरोना सुरक्षित करने के लिए टीकाकरण अभियान भी मजबूती के साथ चल रहा हैं इसके अंतर्गत आज 331226 नागरिकों का वैक्सीनेशन किया गया जिसमें 16 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 1148 को कोरोना का दूसरा डोज दिया गया 45 वर्ष से अधिक आयु के 9525 को कोरोना का पहला और 76508 नागरिकों को दूसरा टीका लगाया गया 18 से 45 वर्ष आयु समूह के 33189 को कोविड की पहली और 210840 को दूसरी वैक्सीन लगाई गई गुजरात में अब तक 86197651 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका हैं

गौण सेवा के पेपर लीक मामले में कार्रवाई

कॉल डिटेल्स के आधार पर आठ संदिग्धों को हिरासत में लिया गया

मंगलवार को गांधीनगर में और सोशल मीडिया पर पेपर लीक मामले में उम्मीदवारों ने नाराजगी की भावना व्यक्त की थी

गांधीनगर, १५ दिसंबर ।

डेढ़ लाख उम्मीदवारों ने परीक्षा दी ऐसे गौण सेवा पसंदगी बोर्ड की हेड क्लर्क की परीक्षा का पेपर लीक हो जाने पर उम्मीदवारों में भारी नाराजगी फैल गई है । तब आज इस मामले में गांधीनगर में गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी आरोप लगे हुए जिले के अधिकारियों के साथ बैठक बुलाई थी । जिसमें वह पुलिस की अभी तक की कार्रवाई मामले में समीक्षा करेंगे ।

इसके साथ शिकायत बाद क्या कार्रवाई हुई इस मामले में भी चर्चा की गई थी । इसके साथ इसमें ८ संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया गया है । मंगलवार को दिनभर गांधीनगर में और सोशल मीडिया पर पेपर लीक मामले में उम्मीदवारों ने नाराजगी की भावना व्यक्त की थी । उनकी एक ही मांग है कि, इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाए । हेड क्लर्क पेपर लीक मामले में संदिग्ध ८ लोगों को हिरासत में लिया गया है । गांधीनगर और साबरकांठा के संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया गया है । सभी शख्सों की कॉल डिटेल्स के आधार पर हिरासत में लिया गया है । इसके साथ ही पेपर लीक की घटना में संदिग्ध भूमिका निभाने वाले शख्स को हिरासत में लिया गया । रविवार को आयोजित हुई हेड क्लर्क की परीक्षा का पेपर अगले दिन लीक होकर लाखों रुपये में बेचे जाने का आरोप आम आदमी पार्टी के युवा नेता युवराज सिंह जाडेजा द्वारा लगाया गया था । हिम्मतनगर निकट एक फार्म हाउस से भावनगर तक बेचे जाने का भी बताया गया । इस मामले में मंत्री राजेन्द्र त्रिवेदी ने बताया है कि, पेपर लीक मामले में पुलिस जांच चालू है । लीक हुआ होगा तो गंभीरता से पुलिस कार्रवाई होगी । भ्रष्टाचार करने वाले किसी को नहीं बचाया जाएगा । युवराजसिंह के दावे के अनुसार, यह पेपर करीब ७२ उम्मीदवारों के पास पहुंचा है । सबसे विशेष बात तो है कि, हेड क्लर्क की लिखित परीक्षा का पेपर लीक होने की हार्ड कोपी का सबूत भी युवराजसिंह जाडेजा द्वारा पेश किया गया है । यह भी दावा किया है कि, प्रांतिज के ऊंछा स्थित फार्म हाउस में १६ विद्यार्थी के साथ एक निरीक्षक मौजूद था ।

पर्चा लीक को लेकर राजनीति गरमाई, कांग्रेस ने कहा - यह पहली घटना नहीं

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात गौण सेवा पसंदगी मंडल की ओर से आयोजित हेड क्लर्क की परीक्षा का पेपर लीक होने के मामले को लेकर राज्य की राजनीति गरमा गई हैं गुजरात प्रदेश कांग्रेस के प्रमुख जगदीश ने आरोप लगाया है कि यह कोई पहला घटना नहीं है, वर्ष 2014 से लगातार पर्चे लीक होते आए हैं लेकिन आज तक पेपर लीक होने के मामले की निष्पक्ष जांच कर किसी अधिकारी या कर्मचारी के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार अप्रत्यक्ष रूप से अपराधियों की मदद करती हैं उन्होंने कहा कि जो लोग पेपर लीक और शराब तस्करी के बारे में जानकारी देते हैं उन्हें अपराधी बताकर जेल में बंद कर दिया जाता हैं जगदीश ठाकोर ने दहशत व्यक्त कि जिस मीडिया ने पेपर लीक होने की जानकारी दी है, उसे सरकार कहीं जेल न भेज दें उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्री या नेता के करीबियों को ही सरकारी नौकरी मिलती हैं राज्य के युवकों को सरकार पर भरोसा खत्म हो गया हैं भर्ती परीक्षा के लिए पहले 25 लाख आवेदन किए जाते थे, जो आज घटकर 10 रह गए हैं गुजरात में कोरोनाकाल की स्थिति पर सवाल उठाते हुए ठाकोर ने कहा कि आपदा दो प्रकार की होती हैं प्राकृतिक और सरकार की लापरवाही से उत्पन्न आपदा सरकार की लापरवाही से उत्पन्न कोरोना की आफत से सभी परिचित हैं कोरोनाकाल में उपचार से लेकर अंतिम संस्कार तक के लिए कतार लगी थीं इतनी मौतें हुई कि स्मशान की भट्ठियां आग में जलकर गल गई इसके बावजूद सरकार कोरोना से मौत के सही आंकड़े स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं सरकार ने कोरोना से मौत का आंकड़ा केवल 10000 बताया था जबकि अब तक 20000 से अधिक लोगों को आर्थिक सहायता दी जा चुकी हैं कोविड मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए की सहायता के प्रावधान के बावजूद राज्य सरकार ने केवल 50000 की सहायता दी हैं और वह भी जब अदालत ने फटकार लगाई तब जाकर राज्य सरकार ने आर्थिक सहायता दी यानी जब तक कोर्ट की फटकार न मिले तब तक सरकार कोई काम नहीं करती

कोरोना से १० हजार लोगों की मौत तो २२ हजार को मुआवजा क्यों?

अहमदाबाद, १५ दिसंबर ।

गुजरात की बीजेपी सरकार ने कल कोरोना महामारी के दौरान मारे गए लोगों के परिवारों को मुआवजा देने का ऐलान किया था । राजस्व मंत्री राजेंद्र त्रिवेदी ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि २२ हजार लाभार्थियों के खातों में सीधी मदद पहुंचाई गई है । लेकिन अब इस मुद्दे पर गुजरात कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश ठाकोर ने कई सवाल उठाए हैं ।

कोरोना के मुद्दे पर गुजरात प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष ने प्रेस कांफ्रेस में कहा कि श्मशान घाट लगातार जल रहा था । ४ लाख की जगह ५० हजार क्यों? सरकार का कहना है कि १० हजार लोगों की मौत हुई है तो फिर २२ हजार लोगों को मुआवजा क्यों दिया गया । ठाकोर ने कहा कि सरकार अपनी नाकामियों को स्वीकार करने को तैयार नहीं है ।

गुजरात प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष ने कोरोना को लेकर व्यवस्था पर सवाल खड़े किए । कोरोना की आपदा से सभी वाकिफ हैं । सरकार की लापरवाही से होने वाली आपदाओं में कोरोना महामारी का नाम शामिल है । इलाज से लेकर अंतिम संस्कार के लिए लोगों को लाइन में लगना पड़ा । गुजरात सरकार की लापरवाह रवैया की वजह से गुजरात में भारी संख्या में लोगों की कोरोना से मौत हुई थी । जगठीश ठाकोर ने कहा है कि सरकार सही आंकड़े को मानने को तैयार नहीं है ।

हम कुछ जिला और गांव में लोगों को आश्वासन देने गए थे । वहां के लोगों ने बताया कि १५ से २० दिन में ११० लोगों की मौत हुई थी । कांग्रेस ने कोरोना के खिलाफ यात्रा का आयोजन कर सरकार जिन आंकड़ों को छुपाने की कोशिश कर रही है उसका खुलासा किया है । गुजरात सरकार को ४ लाख मुआवजा देना चाहिए था लेकिन उसकी जगह पर सिर्फ ५० हजार रुपया दिया गया है ।

पेपर लीक कांड का मुद्दा गर्मा गया

हमने सबूत दिया है, वोरा को हटाया जाए : युवराज सिंह

युवराज सिंह जाडेजा ने बताया है कि, हमने गौण सेवा के सचिव परमार साहब को सबूत दे दिया है

गांधीनगर, १५ दिसंबर ।

राज्य में हेड क्लर्क की परीक्षा के बाद पेपर लीक होने का आरोप लगा है । यह आरोप बाद गुजरात गौण सेवा पसंदगी बोर्ड के चेयरमैन असित वोरा ने आज पत्रकार परिषद आयोजित करके कहा कि पेपर लीक का अभी तक कोई सबूत नहीं मिला है । उन्होंने कहा है कि, अभी कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है । यदि कोई शिकायत मिलेगी तो जांच की जाएगी । अब असित वोरा की पत्रकार परिषद बाद विद्यार्थी नेता युवराज सिंह जाडेजा ने पत्रकारों के साथ बात करके गंभीर आरोप लगाये गये है । पत्रकारों के साथ बात करते युवराज सिंह जाडेजा ने कहा है कि, हमने गौण सेवा के सचिव परमार साहब को हमने सबूत दे दिया है । हमने उनके साथ टेलीफोन में चर्चा की थी । हमने गांधीनगर के पीआई को फोन करके जानकारी दी थी । हमारे पास इसकी रिकॉर्डिंग भी है । इसके साथ युवराज सिंह जाडेजा ने कहा है कि, आशंका के दायरे में असित वोरा है । उनको पहले दूर किया जाए । इसके साथ उन्होंने इस घटना की जांच के लिए एसआईटी का गठन करने की मांग की थी । यह घटना में असित वोरा को दूर करके निष्पक्ष जांच होनी चाहिए । युवराज सिंह जाडेजा ने समय के साथ सबूत पेश किया है । उन्होंने मीडिया को ऑडियो क्लिक भी दी है । उन्होंने यह मामले में गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी को हस्तक्षेप करने की मांग की है । युवराज सिंह जाडेजा ने कहा है कि हम सबूत दे चुके है और यदि भविष्य में सबूत देने की जरूरत होगी तो हम देने के लिए तैयार है । युवराज सिंह जाडेजा ने यह मामले में असित वोरा को दूर करने की मांग की है । उन्होंने कहा है कि, असित वोरा आशंका के दायरे में है । उन्होंने मांग की है कि हर्ष संघवी को इस मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए । गृह राज्यमंत्री ने हस्तक्षेप करके इस मुद्दे पर सत्य सामने लाना चाहिए । युवराज सिंह ने कहा है कि पेपर लीक मामले में जिस गाड़ी का उपयोग किया गया है इसका नंबर भी हमारे पास है । विद्यार्थी नेता ने यह कार का नंबर दिया था ।

केन्द्रीय मंत्री अमित शाह आज आणंद आएंगे, प्रि वाइब्रेंट समिट में उपस्थित रहेंगे

अहमदाबाद (ईएमएस) केन्द्रीय गृह एवं सहकार मंत्री अमित शाह फिर एक बार गुजरात आ रहे हैं आणंद स्थित अमूल के सरदार पटेल ऑडिटोरियम में एग्रो एन्ड फूड प्रोसेसिंग प्रि वाइब्रेंट समिट का आयोजन किया गया हैं समिट में अमित शाह उपस्थित रहेंगे साथही नेशनल कोन्कलेव फोर नेचर फार्मिंग कार्यक्रम में शामिल होंगे केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आगमन के चलते आणंद हेलिपेड पर बम निरोधक दस्ते ने जांच कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया पुलिस ने हेलिपेड से अमूल तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं बता दें कि अमित शाह दिसंबर महीने में तीसरी दफा गुजरात आ रहे हैं इससे पहले अमित शाह 11 दिसंबर को गुजरात आए थे, उस वक्त कई लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रमों में शामिल हुए थे केन्द्रीय गृह मंत्री ने अहमदाबाद में लोकार्पण करते हुए कहा था कि कोरोनाकाल में भी गुजरात सरकार ने विकास कार्यों की गति मंद नहीं होने दी भारत में गांधीनगर को सबसे विकसित संसदीय क्षेत्र बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ूंगा दो दिन पहले अमित शाह किसी स्नेहीजन की मौत होने पर अचानक अहमदाबाद थ

गुजरात के सबसे ज्यादा सुंदर टापू पर बिजली गुल

शियाल बेट टापू में तौकते बाद बिजली अभी नहीं आई

एक हजार की आबादी वाले शियाल बेट टापू में बिजली कनेक्शन समुद्र में होकर फाइबर ऑप्टिक्स से मिलती है

अमरेली, १५ दिसंबर ।

तौकत तूफान को ७ महीना बीतने के बाद भी अमरेली जिले के शियाल बेट टापू में बिजली आपूर्ति अभी नहीं चालू हुई । जिसकी वजह से शियाल बेट के लोगों को बिजली बिना कई मुश्किल आ रही है ।

यहां एक हजार की आबादी वाले यह शियाल बेट टापू में बिजली कनेक्शन समुद्र में होकर फाइबर ऑप्टिक्स से मिलती है । लेकिन तूफान ने यहां खेदान मैदान कर देने पर यहां लाइट अभी तक नहीं आई है । दूसरी तरफ यहां लोगों को पानी की समस्या बहुत ही परेशान कर रही है यहां पानी भी इस टापू पर समुद्र में केबल में पाइप लाइन के द्वारा पहुंचाया जाता है । लेकिन ७ महीने से यहां लोग लाइट और पानी बिना जीवन निर्वाह कर रहे है । अमरेली जिले के शियाल बेट टापू राजूला तहसील में स्थित है ।

यहां पीपावाव पोर्ट पर से २० मिनट की दूरी पर नाव के द्वारा पहुंचाया जाता है । जहां लाइट पानी की व्यवस्था समुद्र में केबल के द्वारा की गई है । यहां शियाल बेट में लाइट-पानी की व्यवस्था आनंदीबहन पटेल जब सीएम थी तब की गई थी । यहां बिजली और पानी की लाइन का लोकार्पण किया गया था । लेकिन हाल में तौकत बाद यहां लाइट और पानी के समुद्र में फैला हुआ केबल और लाइनें टूट जाने पर लोगों को मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है । शियाल बेट के स्थानीय लोग कहते है कि, यहां शियाल बेट से निकट पीपावाव पोर्ट है और पीपावाव पोर्ट द्वारा यह शियाल बेट को गोद लिया गया है । फिर भी फिलहाल यहां परिस्थिति जैसी की तैसी है । एक तरफ पीपावाव विदेशी मुद्रा की कमाई करता बंदरगाह है और इसके सामने ही शियाल टापू है, यह लोग जरूरत की विकास से भी वंचित है । लोग लाइट पानी की समस्या का सामना कर रहे है । तौकत के बाद फिर राजूला जाफराबाद सामान्य हो गया है ।

लेकिन यह शियाल टापू जैसे पाषाण युग में जी रहा हो ऐसा लग रहा है । लोगों को ७ महीना बीत गया फिर भी लाइट नहीं मिली या पानी नहीं मिला है । अब लोगों की मांग है कि हमें जल्द ही लाइट दिया जाए ।

साइकल प्योर ने मिलेनियल्स और युवाओं के लिए तैयार की 'भगवद गीता इन 3 मिनट्स'

ब्रांड ने 18 अध्यायों की शाश्वत शिक्षाएं कर दी हैं 18 वाक्यों में समाहित

बेंगलूरु, ------ 2021: गीता जयंती के शुभ अवसर पर भारत के सबसे अधिक बिकने वाले पूजा सामग्री ब्रांड साइकल प्योर अगरबत्ती ने 'भगवद गीता इन 3 मिनट्स' प्रस्तुत की है ताकि युवा मिलेनियल्स को शाश्वत ज्ञान प्राप्त हो सके और उन्हें दैनिक जीवन में आने वाली समस्याओं से निपटने में मदद मिल सके।

भगवद गीता की शाश्वत प्रासंगिकता आवश्यकता से अधिक सक्रिय डिजिटल युग में बढ़ रहे मिलेनियल्स तथा युवा पीढ़ी के लिए और भी प्रासंगिक है। मिलेनियल मुश्किल से 8 से 12 सेकंड के बीच ही ध्यान केंद्रित कर पाता है। भगवद गीता इन 3 मिनट्स को **https://l.cycle.in/gita** से 8 भारतीय भाषाओं तथा 6 विदेशी भाषाओं में बिल्कुल मुफ्त डाउनलोड किया जा सकता है।

डिजिटल पुस्तक के विषय में साइकल प्योर अगरबत्ती के प्रबंध निदेशक श्री अर्जुन रंगा कहते हैं, ''भारतीय विरासत तथा संस्कृति को संजोकर रखने के अपने अभियान को जारी रखते हुए हम वर्तमान तथा भावी पीढ़ियों का परिचय गीता की शाश्वत तथा कालातीत शिक्षाओं से कराना चाहते थे। हमारे मिलेनियल्स को इस व्यावहारिक ज्ञान से परिचित कराने तथा इसकी प्रति उन्हें भेंट करने के लिए गीता जयंती एकदम सही अवसर है। गीता के प्रत्येक अध्याय को 8-10 सेकंड में पढ़ा जा सकता है। सभी 18 अध्यायों से प्रमुख शिक्षाओं को केवल 3 मिनट में पढ़ा जा सकता है। प्रत्येक अध्याय के सार को विद्वानों ने प्रमाणित किया है।''

पश्चिम रेलवे चलायेगी बांद्रा टर्मिनस और भुज के बीच स्पेशल ट्रेन के 2 फेरे

अहमदाबाद पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुए बांद्रा टर्मिनस और भुज के बीच स्पेशल ट्रेन के दो फेरे विशेष किराये पर चलाने का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

ट्रेन संख्या 09417/09418 बांद्रा टर्मिनस-भुज स्पेशल ट्रेन विशेष किराये पर

ट्रेन संख्या 09417 बांद्रा टर्मिनस-भुज स्पेशल दिनांक 23 दिसंबर 2021 (गुरुवार) को बांद्रा टर्मिनस से 16:45 बजे चलकर 00:15 बजे को अहमदाबाद पहुंचेगी तथा 07:20 बजे (शुक्रवार) को भुज पहुंचेगी। इसी तरह वापसी में ट्रेन संख्या 09418 दिनांक 24 दिसंबर (शुक्रवार) को भुज से 20:40 बजे चलकर (शनिवार) को 03:00 अहमदाबाद पहुंचेगी तथा 11:20 बजे (शनिवार) को बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन गांधीधाम, सामाख्याली, धांगध्रा, अहमदाबाद, नडियाद, आणंद, वडोदरा, सूरत, वापी तथा बोरीवली स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में थर्ड एसी तथा स्लीपर श्रेणी के आरक्षित कोच रहेंगे।

ट्रेन संख्या 09417 एवं 09418 की बुकिंग 17 दिसम्बर, 2021 से नामित पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। यह ट्रेन पूर्णतः आरक्षित स्पे1शल ट्रेन के रूप में विशेष किराये पर चलेगी। यात्री ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए ै.हिलिब.ग्र्हिंग्दुदन्ग्ह पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।पश्चिम रेलवे द्वारा यत्रियों को बोर्डिंग, यात्रा और गंतव्य के दौरान कोविड-19 से सम्बंधित सभी मानदंडों तथा एसओपी का पालन करने का अनुरोध किया गया है।

22 दिसंबर 2021 की अहमदाबाद-दरभंगा साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन परिवर्तित मार्ग से चलेगी

अहमदाबाद उत्तर पूर्व रेलवे के वाराणसी मंडल पर छपरा-बलिया सेक्शन के गौतमस्थान स्टेशन पर दोहरीकरण के कारण अहमदाबाद-दरभंगा साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन परिवर्तित मार्ग से चलेगी। जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

1. दिनांक 22 दिसंबर 2021 की ट्रेन संख्या 19165 अहमदाबाद-दरभंगा साबरमती एक्सप्रेस अपने निर्धारित मार्ग मऊ-बलिया-छपरा की बजाय वाया मऊ-भटनी-छपरा होकर चलेगी।

2. दिनांक 18 दिसंबर एवं 25 दिसंबर 2021 की ट्रेन संख्या 19166 दरभंगा-अहमदाबाद साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन अपने निर्धारित मार्ग छपरा-बलिया-मऊ की बजाय छपरा-भटनी-मऊ होकर चलेगी।

vfuy vxoky 2021 e n fxfox lyt e 'kkfey gku okyn ,dek= Hkkjrh; lektloh

ubZ fnYyh@ecbZ fnlacj 15] 2021A onkrk dk p;jeu vfuy vxoky bl o'kZ n fxfox lyt dk fgLlk cuu okyn ,dek= Hkkjrh; gS] tks fcy xVsl }kjk efyMk Ýsp xVsl vkSj o,juu cQZ dk lg;kx ls LFkkfir ,d igy gSA mUgkus viuh 75 çfr'kr lhfUk ykddY;k.k vkSj lkekftd fgr dk fy, nus dk lkdYi fy;k gSAn fxfox lyt foxr 11 o'kZ ls of'od ijkidkjh 0;fDr;ksa }kjk lpkfyr igy g] ftUgkus viuh vf/kdk'k lhfUk ijkidkj ;k /kekZFk dk;Z dk fy, nus dk fy, çfrc) gSAfiNys ,d o'kZ esa] n fxfox lyt ls 14 u;h gfLrk;ksa tSlh g] ftlls 28 n'kZ ls bl çfrKk ls tSls ykxksa dh dy ls[;k 231 gks xbZ gSA Jh vxoky pkfFk Hkkjrh; gS ftUgkus 2010 e n fxfox lyt dh LFkkiuk dh ckn ls gLrk{kj fd, gSA onkrk dk p;jeu vfuy vxoky us dgk] ^ei viuh cVh fç;k dk lkFk n fxfox lyt e 'kkfey gkus dk fy, [k'k vkSj mRlkfgr gS vkSj dhk"k.k vkSj efgyk l'kfäkdj.k ls of'od y{;ksa ij ifjorZudkjh çHkko ykus gsrq fopkjk dk vknku&çnku djus dk fy, rRij gSA^^

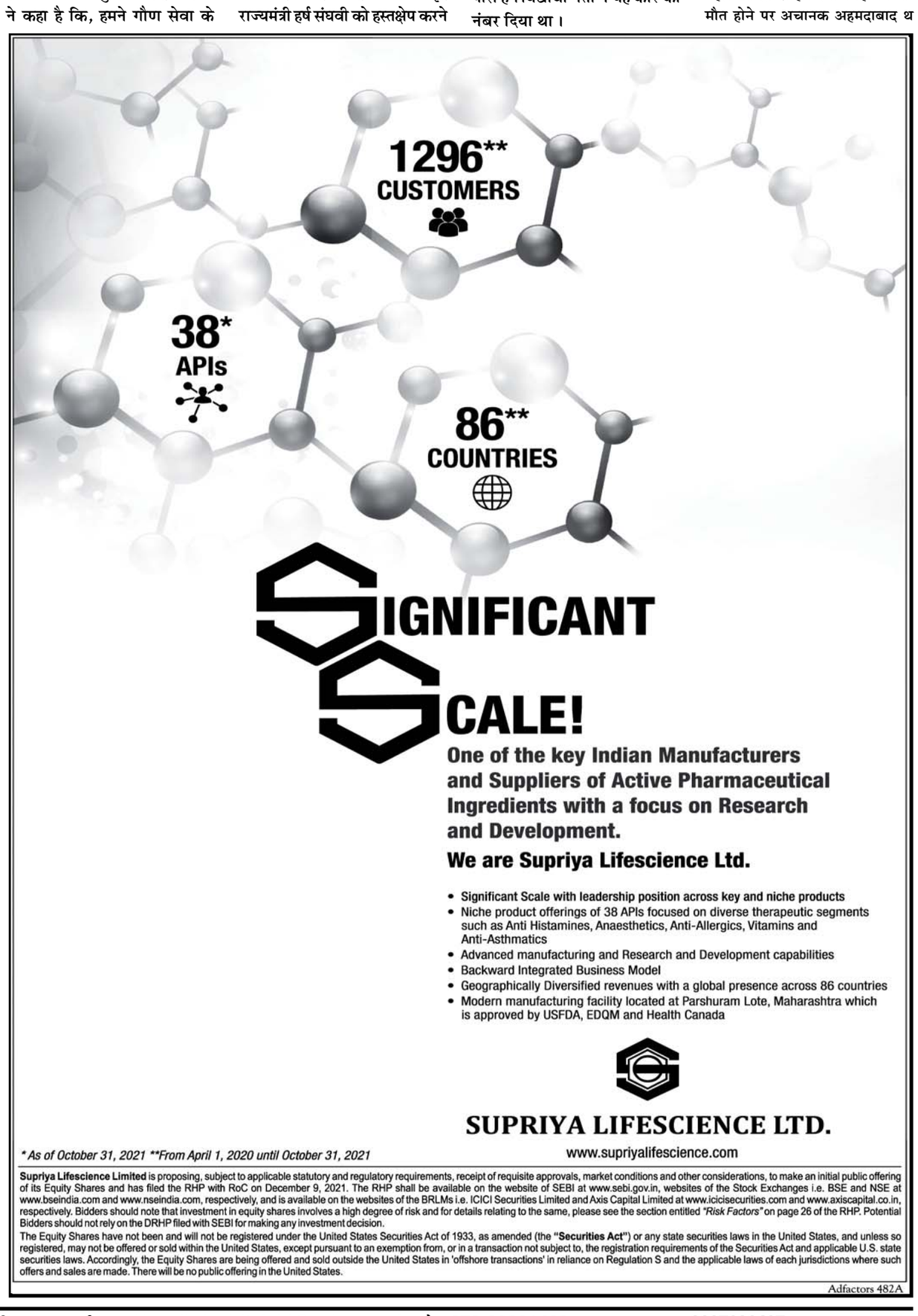

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/95